प्रयागराज, रविवार 15 नवंबर 2026 से 21 नवंबर 2026 तक
वर्ष-14, अंक-46
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

अमेरिका में 9/11 हमले के बाद दूसरी बार हवाई इमरजेंसी,कम्युनिकेशन सिस्टम फेल होने से 8000 फ्लाइट्स कैंसिल

न्यू जर्सी। अमेरिका में एयर ट्रैफिक कंट्रोल के कम्युनिकेशन सिस्टम में खराबी के कारण शुक्रवार को 4 घंटे से ज्यादा समय तक विमानों की उड़ानें रोकनी पड़ीं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन, यानी एफएए ने सुरक्षा कारणों से देशभर के एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स रोकने का आदेश दिया था। इस दौरान 8,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और करीब 15 लाख यात्री प्रभावित हुए। शुक्रवार रात उड़ानों पर लगी रोक हटा दी गई, लेकिन शनिवार को भी बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ीं। 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमले (9/11) के बाद यह दूसरी बार है, जब अमेरिका में सभी उड़ानें रोकी गईं। इससे पहले जनवरी 2023 में एफएए के मुख्य कंप्यूटर सिस्टम में खराबी के कारण ऐसा हुआ था। ट्रम्प ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल सुधारने के लिए मांगे 30 अरब डॉलरः-अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देश के एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए 30 अरब डॉलर की अतिरिक्त फंडिंग मांगी है। उन्होंने रिपब्लिकन सीनेटर एरिक श्मिट से फोन पर बात कर कांग्रेस से इस फंडिंग से जुड़ा बिल जल्द पास कराने को कहा। इस रकम से एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम, एयरपोर्ट टावर, टर्मिनल और दूसरे जरूरी विमानन ढांचे को अपग्रेड किया जाएगा। उड़ानों पर लगी रोक का असर वीकेंड तक रह सकता हैः- अमेरिका में करीब 4 घंटे बाद उड़ानों पर लगी रोक हटा दी गई है। इसके बाद एयरलाइंस ने सेवाएं बहाल करना शुरू कर दिया है, हालांकि कुछ कंपनियों ने शनिवार तक देरी और उड़ानें रद्द होने की आशंका जताई है। डेल्टा एयरलाइंसः सभी तय उड़ानें फिर शुरू कर दी हैं। यात्रियों को ऐप या वेबसाइट पर फ्लाइट स्टेटस देखने की सलाह दी है।यूनाइटेड एयरलाइंसः सेवाएं बहाल करना शुरू कर दिया है। शनिवार को भी देरी की आशंका है। यात्री ट्रैवल छूट के तहत टिकट की तारीख बदल सकते हैं।फ्रंटियर



एयरलाइंसः उड़ानों को सामान्य करने में जुटी है। यात्रियों से ईमेल और फ्लाइट स्टेटस चेक करने को कहा है। जेटब्लू एयरवेजः शुक्रवार की बाकी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। शनिवार को भी सेवाएं प्रभावित रह सकती हैं। एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम सुधारने के लिए 50 अरब डॉलर लगेंगेः-अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए 50 अरब डॉलर की मांग की है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसके लिए कांग्रेस से 30 अरब डॉलर मांगे हैं। डफी ने कहा कि सिस्टम की छोटी-मोटी मरम्मत के बजाय इसे पूरी तरह आधुनिक बनाने की जरूरत है। पिछले साल कांग्रेस ने इसके लिए 12.5 अरब डॉलर मंजूर किए थे। सिस्टम में खराबी के पीछे साइबर अटैक का संकेत नहींः- अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी मंत्री मार्कवेन मुलिन ने कहा कि एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में आई खराबी के पीछे फिलहाल किसी साइबर हमले के संकेत नहीं मिले हैं। व्हाइट हाउस में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में यह टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम में आई तकनीकी खराबी लग रही है। हालांकि, अधिकारी अभी इसकी असली वजह का पता नहीं लगा पाए हैं। मुलिन ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही साफ हो सकेगा कि कम्युनिकेशन सिस्टम में गड़बड़ी कैसे हुई।

पाक ने पीओके में 80 आतंकी लॉन्चपैड बनाए,बर्फबारी से पहले भारत में घुसपैठ की तैयारी

इस्लामाबाद। पाक सर्दियों में बर्फबारी शुरू होने से पहले जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ कराने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में (पीओके) में करीब 80 लॉन्चपैड बनाए गए हैं। इनमें से 60 से ज्यादा जम्मू क्षेत्र में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के सामने हैं। इन ठिकानों पर थर्मल सेंसर और एंटी-ड्रोन सिस्टम से निगरानीः-पीओके में बनाए गए लॉन्चपैड पर थर्मल सेंसर और एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए गए हैं। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की शह पर खुफिया एजेंसी आईएसआई इनका संचालन कर रही है। यहां लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के 4 से 5 आतंकियों को रखा गया है। ये भारतीय सीमा में घुसपैठ का मौका मिलने का इंतजार कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की कार्रवाई के दौरान पाकिस्तान के कई बड़े आतंकी ठिकाने तबाह हो गए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने अपनी रणनीति बदल दी। अब बड़े ठिकानों के बजाय छोटे-छोटे लॉन्चपैड बनाए जा रहे हैं। हर लॉन्चपैड पर कम संख्या में आतंकियों को रखा जा रहा है। इससे अगर भारतीय सेना किसी एक ठिकाने पर कार्रवाई करती है, तो पूरे आतंकी नेटवर्क को एक साथ नुकसान नहीं पहुंचेगा। छोटे ठिकाने होने से उनका पता लगाना भी मुश्किल हो सकता है। थर्मल सेंसर और एंटी-ड्रोन सिस्टम से निगरानी के लिए आने वाले ड्रोन का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए किया जाता है। इन उपकरणों के जरिए आतंकी ठिकानों की सुरक्षा बढ़ाने की कोशिश की गई है। खासतौर पर सर्दियों में बर्फबारी के दौरान घुसपैठ की योजना को ध्यान में रखकर ये इंतजाम किए गए हैं। हाफिज सईद रावलपिंडी और मसूद अजहर नवाबशाह शिफ्टः- आईएसआई ने लश्कर-ए-तैयबा के



सरगना हाफिज सईद और जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर को भी सुरक्षित ठिकानों पर भेजा है। पिछले एक हफ्ते में दोनों को उनके पुराने ठिकानों से दूसरी जगह शिफ्ट किया गया। हाफिज सईद को लाहौर के जोहर इलाके से रावलपिंडी के गैरिसन ग्राउंड में भेजा गया है। वहीं, मसूद अजहर को सिंध प्रांत के नवाबशाह स्थित सेफ हाउस में रखा गया है। ऑडियो मैसेज से लश्कर के लोगों के संपर्क में हाफिजः- पाकिस्तान का दावा है कि हाफिज सईद आतंकी फंडिंग के मामलों में लाहौर की कोट लखपत जेल में सजा काट रहा है। हालांकि, खुफिया सूत्रों का दावा है कि वह जेल के बजाय आईएसआई के सेफ हाउस में रह रहा है। उसकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आने-जाने पर भी पाबंदियां लगाई गई हैं। अब वह लश्कर के सदस्यों से सीधे मुलाकात करने के बजाय ऑडियो मैसेज के जरिए संपर्क करता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कमजोर पड़ा जैश का नेटवर्कः-ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बहावलपुर स्थित जैश-ए-मोहम्मद के मरकज को काफी नुकसान पहुंचा था। इसके बाद संगठन का नेटवर्क कमजोर हुआ है। गुर्दों की बीमारी से जूझ रहे मसूद अजहर की सक्रियता भी पहले के मुकाबले कम बताई जा रही है। मसूद अजहर को संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक आतंकवादी घोषित कर रखा है। वहीं, हाफिज सईद भी भारत में कई आतंकी हमलों के मामलों में वांछित है।

अमेरिकी रक्षामंत्री को डांटने वाले सैनिक को मेडल,युद्ध स्मारक पर रक्षामंत्री की टीम को चुप रहने कहा था

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को डांटने वाले सैनिक को खुद उन्होंने मेडल देकर सम्मानित किया है। सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने 11 नवंबर को वेटरन्स डे के मौके पर युद्ध स्मारक के पास हेगसेथ और उनकी टीम को चुप रहने की हिदायत दी थी। उस समय टीम के कुछ लोग आपस में बात कर रहे थे और हंस रहे थे। गुरुवार को पेंटागन में हेगसेथ ने इग्लेसियस को जॉइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल दिया। हेगसेथ ने सम्मान समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। उन्होंने लिखा, 'हम अपने सैनिकों से प्यार करते हैं। हमें अनुशासन और तय मानकों पर गर्व है। शाबाश स्पेशलिस्ट, अपना काम जारी रखो।' यह घटना बुधवार को अमेरिका के सालाना वेटरन्स डे के मौके पर हुई थी। इस दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ अर्लिंगटन नेशनल कब्रिस्तान पहुंचे थे। यहां शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर औरतीन सलाहकार रिकी बुरिया, टैमी राडाबॉ और



पैट्रिक वीवर के साथ अज्ञात सैनिक की समाधि (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) के सामने तस्वीरें खिंचवा रहे थे। इसी दौरान समूह में से किसी के हंसने की आवाज आई। कुछ लोग आपस में बात भी कर रहे थे। वहां ड्यूटी पर तैनात सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने उन्हें तुरंत टोका। उन्होंने आवाज लगाकर कहा, 'सभी लोग हर समय शांति और सम्मान बनाए रखें।' इस घटना का वीडियो भी सामने आया था। पेंटागन ने भी सैनिक के व्यवहार का समर्थन कियाः- वीडियो सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सैनिक का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि सैनिक ने सही और सम्मानजनक तरीके से सभी को वहां शांति बनाए रखने की याद दिलाई। यह अमेरिका के सबसे सम्मानित युद्ध स्मारकों में से एक है। यहां उन सैनिकों को दफनाया गया है, जिनकी युद्ध में मौत के बाद पहचान नहीं हो सकी थी। इनमें प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध में मारे गए सैनिक शामिल हैं। इस स्मारक की सुरक्षा अमेरिकी सेना की तीसरी इन्फैंट्री रेजिमेंट करती है। इसे 'द ओल्ड गार्ड' भी कहा जाता है।

1948 से यहां दिन-रात सैनिक पहरा दे रहे हैं। यहां तैनात सैनिकों की जिम्मेदारी सिर्फ स्मारक की सुरक्षा करना नहीं है। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होता है कि वहां आने वाले लोग शांति और सम्मान बनाए रखें। इसलिए स्मारक के पास तेज आवाज में बात करना या हंसना मना है।

एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन पर अब तीसरे अफेयर का आरोप,परसों ही इस्तीफा दिया

हॉन्ग कॉन्ग। दुनिया की सबसे बड़ी एआई चिप कंपनी एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग को लेकर एक और खुलासा सामने आया है। रॉयटर्स के मुताबिक, हुआंग का एक और महिला कर्मचारी के साथ रिश्ता था। इस महिला का नाम नहीं बताया गया है। अब तक कुल 3 महिलाओं के साथ जेन्सन के रिश्ते सामने आ गए हैं। चीनी महिला एलिस और एनवीडिया की ही एक कर्मचारी किम्बर्ली से उनके रिश्तों का खुलासा पहले ही हो चुका है। रॉयटर्स ने मामले से जुड़े 2 लोगों के हवाले से कहा है कि हुआंग का एक और महिला कर्मचारी से भी रिश्ता था। यह महिला कौन है, अभी नहीं बताया गया है। एनवीडिया ने भी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इससे पहले 12 नवंबर को जेन्सन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनकी जगह कंपनी की चीफ फाइनेंस ऑफिसर और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट कॉलिट क्रेस को अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी दी गई है। एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के चलते विवादों में आए जेन्सन के कारण एनवीडिया की वैल्यू 5.5 ट्रिलियन डॉलर से घटकर 4 ट्रिलियन डॉलर के आसपास आ गई है। वॉल स्ट्रीट जर्नल का दावा- जेन्सन ने इस्तीफा नहीं दिया, उन्हें हटाया गयाः-वॉल स्ट्रीट जर्नल का कहना है कि जेन्सन हुआंग ने खुद इस्तीफा नहीं दिया, बोर्ड ने उन्हें हटाने का फैसला किया था। 11 नवंबर की रात बोर्ड की इमरजेंसी मीटिंग हुई थी। इसमें 11 में से 10 डायरेक्टर हुआंग को हटाने के पक्ष में थे। कंपनी ने आधिकारिक बयान में सिर्फ इस्तीफा लिखा है, वजह नहीं बताई। एफबीआई की एंट्री, जेन्सन की 18 नवंबर को संसद में पेशीः-अब तक सिर्फ एनवीडिया की अंदरूनी जांच चल रही थी। अब एफबीआई ने भी अपनी अलग जांच शुरू कर दी है। यह जांच 2 बातों पर है - क्या एलिस हुआंग ने चिप्स चीन पहुंचाईं।क्या हुआंग से कोई सीक्रेट जानकारी ली गई। न्याय विभाग भी एलिस से जुड़ी कई जांच कर रहा है। एनवीडिया की कमाई के नतीजे 17 नवंबर को आएंगे। इसके दूसरे ही दिन 18 नवंबर को हुआंग को अमेरिकी संसद में बंद कमरे में ब्रीफिंग के लिए बुलाया गया है। जेन्सन की संपत्ति 6.92 लाख करोड़ तक घटीः-एलिस-जेन्सन के संबंधों और जासूसी मामले की जांच शुरू होने के बाद से एनवीडिया के शेयर 5फीसदी तक गिर चुके हैं। जेन्सन की संपत्ति 6.92 लाख करोड़ रु. तक घट चुकी है। जेन्सन फोर्ब्स की अमीरों की सूची में दो स्थान खिसककर 10वें पर आ गए हैं। इस उथल-पुथल के बीच निवेशक 17 नवंबर को आने वाले कंपनी के तिमाही नतीजों पर नजर टिकाए हुए हैं।



यूएई के पास तेल टैंकर पर फिर हमला,19 भारतीय सवार सुरक्षित

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पास बुधवार को कच्चे तेल से भरे एक टैंकर पर हमला हुआ। जहाज पर 19 भारतीय नाविकों समेत



कुल 22 लोग सवार थे। यूएई कोस्ट गार्ड ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार जहाज की मैनेजमेंट कंपनी के संपर्क में है। हमले का शिकार हुआ जहाज लाइबेरिया के झंडे वाला था। इसका नाम एमटी डोमिनिका प्रॉस्पेरिटी है। यह यूएई के मीना साकर तट के पास था। पश्चिम एशिया में 8 महीने में 15 भारतीय नाविकों की मौतः- पश्चिम एशिया में 28 फरवरी 2026 को संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक 15 भारतीय नाविकों की मौत हो चुकी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 3 नवंबर को इसकी जानकारी दी थी। उनके मुताबिक, इस संघर्ष में अब तक कुल 23 भारतीय नागरिकों की जान गई थी, जिनमें 15 नाविक शामिल थे। खाड़ी क्षेत्र में जहाजों पर 4,500 से ज्यादा भारतीय नाविकः- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे व्यावसायिक जहाजों पर 4,500 से ज्यादा भारतीय नाविक सवार हैं। जायसवाल के मुताबिक, फारस की खाड़ी में भारत के झंडे वाले 6 कमर्शियल जहाज हैं। इसके अलावा 6 विदेशी झंडे वाले जहाज भी हैं, जो भारत के लिए सामान लेकर जा रहे हैं। इन 12 जहाजों पर करीब 163 भारतीय नाविक सवार हैं। उन्होंने बताया था कि शिपिंग मंत्रालय इन जहाजों की आवाजाही पर नजर रख रहा है। भारतीय दूतावास स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर नाविकों की सुरक्षा और उनकी स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में नाविकों की सुरक्षा पर चिंता जताई थीः- विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा की 81वीं बैठक में व्यावसायिक जहाजों और नाविकों पर हमलों को लेकर चिंता जताई थी।

भारत के रईस अंटार्कटिका की बर्फीली झीलें देखने जा रहे,फिनलैंड के जंगल, नॉर्दर्न लाइट्स पहली पसंद बने

फिनलैंड। महंगी कार, डिजाइनर घड़ी और ब्रांडेड कपड़े अब अमीरी दिखाने के लिए काफी नहीं रह गए हैं। भारत के रईस अब ऐसे अनुभवों पर लाखों रुपए खर्च कर रहे हैं, जिन्हें हासिल करना हर किसी के लिए आसान नहीं है। कोई अंटार्कटिका की बर्फीली दुनिया देखने जा रहा है, तो कोई फिनलैंड के जंगलों में निजी ठिकानों पर छुट्टियां बिता रहा है। कुछ लोग बर्फ से ढकी झीलों पर सुपरकार चलाने और आसमान में नॉर्दर्न लाइट्स देखने के लिए विदेश जा रहे हैं। अमीरी का नया पैमाना अब यह बन रहा है कि कोई व्यक्ति कितना खास और अनूठा अनुभव हासिल कर सकता है। ट्रैवल कंपनियों के मुताबिक, कई अमीर परिवार दुनिया के मशहूर पर्यटन स्थलों की सैर पहले ही कर चुके हैं। अब वे ऐसी जगहों की तलाश में हैं, जहां कम लोग पहुंच पाते हैं और जहां का अनुभव जिंदगी भर याद रहे। अंटार्कटिका की दो हफ्ते की यात्रा पर 45 लाख तक खर्चः- भारतीय अमीरों के बीच अंटार्कटिका की यात्रा का आकर्षण बढ़ रहा है। यहां दो सप्ताह की यात्रा के लिए प्रति व्यक्ति 40 से 45 लाख रुपए तक खर्च करने पड़ते हैं। इस दौरान पर्यटक बर्फ से ढके पहाड़, विशाल ग्लेशियर और बर्फीले समुद्र को करीब से देख सकते हैं। कुछ लोग पेरू में प्राचीन इंका सभ्यता से जुड़े स्थल देखने जा रहे हैं, तो कुछ चिली के अंगूर के बागों में शेफ के साथ खास भोजन का अनुभव ले रहे हैं। ट्रैवल कंपनियों का कहना है कि अमीर ग्राहकों का सवाल अब यह नहीं होता कि अगली छुट्टी कहां बितानी है, बल्कि यह होता है कि ऐसा क्या नया किया जाए, जो पहले कभी नहीं किया। फिनलैंड के जंगल और नॉर्दर्न लाइट्स पहली पसंदः- फिनलैंड के बर्फीले जंगल भारतीय अमीर परिवारों की पसंद बन रहे हैं। यहां लोग जंगलों के बीच बने निजी ठिकानों पर रुकते हैं।रात में आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी यानी नॉर्दर्न लाइट्स देखने का अनुभव लेते हैं। इसके अलावा रेनडियर की सवारी, हस्की डॉग स्लेज और स्नोमोबाइल जैसी गतिविधियां भी



पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं। इन यात्राओं में सिर्फ घूमना ही नहीं, बल्कि प्रकृति के बीच कुछ दिन बिल्कुल अलग अंदाज में बिताना भी शामिल है। अब कार खरीदने के साथ बर्फ पर चलाने का भी शौकः- पोर्श और लेम्बोर्गिनी जैसी लग्जरी कार कंपनियां ग्राहकों को बर्फीली झीलों और खास ट्रैक पर सुपरकार चलाने का मौका दे रही हैं। यानी अब सिर्फ महंगी कार खरीदना ही लग्जरी नहीं है, बल्कि उसे ऐसी जगह पर चलाने का अनुभव लेना भी अमीरी का नया तरीका बन गया है। इन खास आयोजनों में ग्राहक बर्फ पर कार चलाने की तकनीक सीखते हैं और प्रशिक्षकों की निगरानी में गाड़ी चलाते हैं। इसके लिए अलग से पैसा खर्च करना पड़ता है। सेहत और अच्छी नींद के लिए भी लाखों खर्चः-अमीरों के खर्च का एक बड़ा हिस्सा अब सेहत और वेलनेस पर भी जा रहा है। तनाव कम करने, अच्छी नींद लेने, वजन नियंत्रित करने और लंबी उम्र के लिए लोग महंगे वेलनेस कार्यक्रम चुन रहे हैं। केरल के कुछ वेलनेस सेंटर में एक दिन रुकने का खर्च 1.25 लाख रुपए तक है। यहां लोगों को योग, खानपान, आराम और सेहत से जुड़े खास कार्यक्रमों की सुविधा दी जाती है। एटलस ऑफ एफ्लुएंस 2026 के सर्वे के मुताबिक, 30फीसदी अमीरों ने बताया कि वे यात्रा और वेलनेस पर हर साल दो लाख रुपए या उससे ज्यादा खर्च करते हैं। वहीं, 17फीसदी लोग खास भोजन और डाइनिंग के अनुभवों पर पैसा खर्च करते हैं। भारत में करोड़पति परिवारों की संख्या करीब दोगुनीः- देश में बढ़ती अमीरी भी इस बदलाव की एक बड़ी वजह है। मर्सिडीज-बेंज हुरुन इंडिया वेल्थ रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में करोड़पति परिवारों की संख्या 2021 में 4.58 लाख थी, जो 2025 में बढ़कर 8.71 लाख हो गई। यानी चार साल में इसमें करीब 90फीसदी की बढ़ोतरी हुई। अब सिर्फ मुंबई और दिल्ली जैसे महानगरों के अमीर ही नहीं, बल्कि अहमदाबाद, जयपुर और गुवाहाटी जैसे शहरों के संपन्न परिवार भी खास विदेश यात्राओं पर पैसा खर्च कर रहे हैं। बेन एंड कंपनी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में दुनिया भर में लग्जरी अनुभवों के बाजार में 3फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि लग्जरी सामान की बिक्री करीब 1फीसदी घट गई। यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल के अनुसार, भारत में लग्जरी होटल और महंगे खानपान का बाजार 2025 से 2030 के बीच हर साल 20फीसदी की दर से बढ़ सकता है। इसके 2030 तक 62,600 करोड़ रुपए पहुंचने का अनुमान है।

व्हाइट हाउस के पास फायरिंग-1 की मौत,हमलावर ने जिम में घुसकर चलाईं गोलियां, खुद को भी गोली मारी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस से करीब 1.6 किमी दूर गुरुवार सुबह गोलीबारी हुई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य घायल हो गए। गोलीबारी करने वाले हमलावर ने भी खुद को गोली मारकर जान दे दी। अमेरिकी न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, गोलीबारी की शुरुआत एक फिटनेस सेंटर के अंदर हुई। हमलावर ने पहले जिम में एक व्यक्ति को गोली मारी। इसके बाद वह बाहर निकलकर फायरिंग करने लगा। उसने एक पार्किंग गैराज में भी गोलियां चलाईं। वहां एक व्यक्ति को गोली लगी। घटना के बाद इलाके में भगदड़ जैसे हालात बन गए। लोग जान बचाने के लिए दुकानों और घरों में छिपते नजर आए। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया और लोगों को सुरक्षित जगहों पर रहने की सलाह दी। अपार्टमेंट बिल्डिंग से विवाद की आशंकाः- पुलिस का मानना है कि हमलावर का अपार्टमेंट बिल्डिंग के होमओनर्स एसोसिएशन (एचओए) से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। एचओए किसी रिहायशी इमारत या सोसाइटी के मालिकों की संस्था होती है, जो वहां के नियमों और रखरखाव से जुड़े फैसले लेती है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक गोलीबारी के पीछे की असली वजह की पुष्टि नहीं की है। जांच अधिकारी इस बात का पता लगा रहे हैं कि विवाद किस बात को लेकर था और हमलावर ने गोलीबारी क्यों की। एफबीआई और दूसरी एजेंसियां जांच में जुटीं:-गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। अमेरिकी संघीय एजेंसी एटीएफ ने भी अपने अधिकारियों को जांच में मदद के लिए भेजा। एफबीआई के वॉशिंगटन ऑफिस ने भी स्थानीय पुलिस की जांच में सहयोग किया। पुलिस ने आसपास की सड़कों को बंद कर दिया था। इलाके में स्वाट टीम और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी भी तैनात किए गए। जांच के दौरान



लोगों को घटनास्थल से दूर रहने के लिए कहा गया। जिम में योग कर रहे लोग लॉन्ड्री रूम में छिपेः- गोलीबारी के समय जिम में योग की क्लास चल रही थी। वहां मौजूद विक्टोरिया स्टैफोर्ड ने सीएनएन को बताया कि क्लास शुरू होने के करीब 45 मिनट बाद उन्हें बहुत तेज आवाज सुनाई दी। पहले उन्हें लगा कि किसी ने जिम में भारी वजन गिराया है। लेकिन तभी इंस्ट्रक्टर ने क्लास रोक दी और सभी लोगों से अपना सामान छोड़कर बाहर निकलने को कहा। इसके बाद विक्टोरिया और दूसरे लोग जिम के लॉन्ड्री रूम में छिप गए। जिम के कर्मचारियों ने दरवाजे को अंदर से बंद कर दिया। विक्टोरिया के पास फोन नहीं था, इसलिए वह अपनी स्मार्टवॉच से परिवार और दोस्तों को मैसेज करने की कोशिश कर रही थीं। उन्होंने बताया कि लॉन्ड्री रूम में छिपकर बिताया गया हर पल बहुत लंबा लग रहा था।लोगों ने मशीनें बंद कर दी थीं और पूरी तरह चुप रहने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने जिम में एक व्यक्ति को बेसुध पड़े देखा। विक्टोरिया ने कहा कि उन्हें यह सोचकर बहुत दुख हुआ कि वह व्यक्ति भी उनकी तरह सुबह एक्सरसाइज करने आया होगा। उसे भी उम्मीद रही होगी कि वह घर लौटकर अपने परिवार से मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। 5 दिन पहले हथियार के साथ युवक गिरफ्तारः-व्हाइट हाउस के पास 5 दिन पहले हथियारों के साथ एक वेनेजुएलाई युवक गिरफ्तार हुआ था। उसके पास से तीन बंदूकें और कई कारतूस मिले थे। पूछताछ में उसने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को मारने की बात कही थी। व्हाइट हाउस के पास फायरिंग की पुरानी घटनाएंः-1. दिसंबर 1994: व्हाइट हाउस के पास गोलीबारी हुई थी। हमलावर की चलाई गोलियों में से एक स्टेट डाइनिंग रूम की खिड़की तक पहुंची थी। 2. नवंबर 2011: ऑस्कर ओर्टेगा-हर्नांडिज ने व्हाइट हाउस की ओर राइफल से गोलियां चलाई थीं। कम से कम 8 गोलियां इमारत से टकराई थीं। 3. जुलाई 2021: लोगान सर्कल इलाके में गोलीबारी में 2 लोग घायल हुए थे। यह इलाका व्हाइट हाउस से करीब 1 मील दूर है। 4. अगस्त 2021: लोगान सर्कल के पास फिर गोलीबारी हुई। इसमें 2 लोग घायल हुए थे। 5. अक्टूबर 2023: व्हाइट हाउस से करीब 2 ब्लॉक दूर मैकफर्सन स्क्वायर में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 6. मार्च 2024: लोगान सर्कल के पास गोलीबारी में 2 लोगों की मौत हुई और 5 घायल हुए थे। 7. 23 मार्च 2026: एक संदिग्ध शख्स ने व्हाइट हाउस के पास करीब 30 राउंड फायरिंग की। घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प व्हाइट हाउस के अंदर मौजूद थे।

ट्रम्प ने ईरान शांति वार्ता से जेडी वेंस को हटाया,कहा- वो घरेलू मामलों पर ध्यान दें,डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करें

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को ईरान के साथ शांति वार्ता से अलग कर दिया है। ट्रम्प ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कहा कि वेंस अब अमेरिका के डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों और शहरों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका को अब ईरान के साथ किसी समझौते की जरूरत नहीं है। ट्रम्प ने इस साल की शुरुआत में ईरान के साथ बातचीत को जिम्मेदारी वेंस को दी थी। वेंस इस युद्ध के पक्ष में नहीं थे। अप्रैल में उन्होंने पाकिस्तान जाकर ईरानी नेताओं से कई घंटे बातचीत भी की थी, लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। हाल ही में वेंस ने एक बार फिर ईरान से बातचीत शुरू करने की कोशिश की थी। उन्होंने कतर के जरिए ईरान के बड़े नेता मोहसिन रजाई को पत्र भेजा था। इसमें जल्द ही दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक कराने का प्रस्ताव दिया गया था। वेंस ने यह भी कहा था कि वे अमेरिकी टीम की अगुआई करेंगे। लेकिन अब ट्रम्प ने इस कोशिश को रोक दिया है। वेंस ने ईरान युद्ध को चुनावी हार की वजह बताया थाः-अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। चुनाव के बाद वेंस ने पार्टी की हार के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार बताया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'हमारी हार की वजह युद्ध है।' वेंस ने यह भी कहा था कि अगर किसी को लगता है कि युद्ध की वजह से अगले छह साल तक सीनेट का नियंत्रण गंवाना सही फैसला था, तो वह अपनी बात रख सकता है। वेंस के इस बयान को ट्रम्प प्रशासन की युद्ध नीति की आलोचना माना गया था।



हालांकि, ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें वेंस की बातों से कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने कहा था कि भले ही कई लोगों को वेंस की टिप्पणी पसंद नहीं आई, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है। अब डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करेंगे वेंसः- ट्रम्प ने वेंस को डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले शहरों और राज्यों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देने को कहा है। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वेंस का कैरेबियाई और दक्षिण अमेरिकी देशों का दौरा भी रद्द कर दिया गया है। इस दौरे में डोमिनिकन रिपब्लिक, कोलंबिया, अर्जेंटीना और चिली जाना शामिल था।अधिकारियों के मुताबिक, इस दौरे की तैयारी अक्टूबर से चल रही थी। पहले डोमिनिकन रिपब्लिक का दौरा रद्द हुआ और फिर बाकी देशों की यात्रा भी रोक दी गई।ये सभी देश ट्रम्प प्रशासन के करीबी माने जाते हैं। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अब भी तनाव जारीः- अमेरिका और ईरान के बीच बड़े सैन्य हमले फिलहाल रुके हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

30 से अधिक सड़कों का लोकार्पण करते हुए कैबिनेट मंत्री मनोज पांडे ने कहा कि ऊंचाहार विकास की मुख्य धारा से जुड़ रहा है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली/ऊंचाहार। प्रदेश सरकार की खाद्य एवं रसद तथा नागरिक



आपूर्ति विभाग के कैबिनेट मंत्री मनोज कुमार पांडे ने ग्राम भागीपुर से पंचायत भवन तक इंटरलॉकिंग ,बाबूगंज में नाला निर्माण व इंटरलॉकिंग ,बेनउ का पुरवा में डामरीकरण, रैयापुर कुटिया चित्रा में इंटरलॉकिंग, शहजादपुर में कोटिया चित्रा तक डामरीकरण,सरकारी अस्पताल से नारायण अस्पताल तक इंटरलॉकिंग, पूरे भैरव से गंगाराम के पुरवा का मार्ग का नवनिर्माण, ननकू का पुरवा से तिवारिन के पुरवा तक डामरीकरण,सरायं परम में इंटरलॉकिंग, सामुदायिक भवन का निर्माण अमलिहा का पुरवा में इंटरलॉकिंग, मनीरामपुर में इंटरलॉकिंग, मुरारमऊ में बारात घर/ सामुदायिक के सामुदायिक भवन का निर्माण ,मोखरा में इंटरलॉकिंग तथा सरपतहा से तराबी का पुरवा, गंगश्री से राही व अकोढ़या से शारदा सहायक तक का संपर्क मार्ग का नव निर्माण आदि कार्यों का लोकार्पण किया। लोकार्पण के अवसर पर आयोजित कंदरावा की सभा को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री ने कहा कि क्षेत्र को एक लंबे समय से विकास कार्यों से दूर रखा गया। क्षेत्र के गरीब लोग अभी तक विकास से दूर रहे हैं , किन्तु आज यह क्षेत्र प्रदेश व देश के साथ विकास की मुख्य धारा से जुड़ गया है ,इससे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता सम्मान से समझौता नहीं करेंगे और आने वाले समय में यहां की जनता विरोधियों को मुंह तोड़ जवाब देगी।इस अवसर पर प्रधान शिवप्रसाद, रण बहादुर सिंह, हर्ष शंकर मौर्य ,कोटेदार सराय मान ,प्रधान आशीष तिवारी, भाजपा के ओबीसी मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अभिलाष कौशल ,प्रधान रंजन तिवारी ,राजेंद्र बाबा, श्री राम पटेल ,हरिशंकर पटेल, रीना पाल आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

पेरिस के वैश्विक मंच पर गूंजी रायबरेली की प्रतिभा, डॉ. उमेंद्र ने प्रस्तुत किया शोध पत्र,अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर बढ़ाया देश का गौरव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अंतरराष्ट्रीय



अकादमिक मंच पर रायबरेली की प्रतिभा ने अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई है। इंदिरा नगर निवासी एवं सर्वोदय डिग्री कॉलेज, सलोन के पूर्व प्राचार्य डॉ. जितेंद्र सिंह के सुपुत्र डॉ. उमेंद्र सिंह ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध एवं नीति सम्मेलन में अपना शोध पत्र प्रस्तुत कर भारतीय शैक्षणिक प्रतिभा का परचम लहराया। उनकी इस उपलब्धि ने राष्ट्रीय स्तर पर रायबरेली का गौरव बढ़ाया है। डॉ. उमेंद्र सिंह वर्तमान में झारखंड के विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के अर्थशास्त्र विभाग में प्रोफेसर हैं। छह और सात नवंबर को आयोजित ईएसओसी-रेसिपी रिसर्च एंड पॉलिसी कॉन्फ्रेंस 2026 की संयुक्त मेजबानी शिकागो विश्वविद्यालय के जॉन डब्ल्यू. बोयर सेंटर, पेरिस और पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स ने की। सम्मेलन में दुनिया के विभिन्न देशों के अर्थशास्त्रियों, शोधकर्ताओं और नीति विशेषज्ञों ने भाग लिया। आर्थिक नीति अनुसंधान केंद्र (सीईपीआर), प्रिंसटन विश्वविद्यालय के ईएसओसी, एमोरी विश्वविद्यालय, शिकागो विश्वविद्यालय के हैरिस स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी और फ्रांस की राष्ट्रीय अनुसंधान एजेंसी सहित प्रतिष्ठित संस्थानों का सहयोग इस आयोजन को वैश्विक अकादमिक महत्व प्रदान करता है।

ऐसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर शोध पत्र प्रस्तुत करना डॉ. उमेंद्र की शोधपरक क्षमता और अकादमिक उपलब्धि का परिचायक है।उनकी सफलता ने यह साबित किया है कि रायबरेली की प्रतिभाएं भी वैश्विक ज्ञान जगत में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा सकती हैं।

उनकी उपलब्धि पर मातृभूमि सेवा मिशन इकाई के संयोजक प्रदीप पांडेय, फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ संजय सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर अजेंद्र प्रताप सिंह, बीएड विभागाध्यक्ष डॉ अरविंद सिंह शिक्षाविद डॉक्टर संतलाल, पत्रकार बीपी सिंह, जनपद के शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

सरकारी और निजी स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम से जोड़ने पर जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की आठवीं वर्षगांठ और आयुष्मान



भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के पांच वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुक्रवार को एक होटल में जनपद स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में दोनों योजनाओं की उपलब्धियों, अनुभवों और भविष्य की दिशा पर संवाद किया गया। इस दौरान डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम को मजबूत बनाने तथा सरकारी और निजी स्वास्थ्य सेवाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य विकास अधिकारी अंजू लता ने कहा कि एबीडीएम का उद्देश्य देश में ऐसा डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम तैयार करना है, जिसमें मरीजों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच बेहतर समन्वय हो सके। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक सुलभ और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने कहा कि मिशन को सफल बनाने के लिए सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। इस अवसर पर कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला ने कहा कि आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) के माध्यम से व्यक्ति अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में सुरक्षित रख सकता है और जरूरत पड़ने पर स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ साझा कर सकता है। इससे मरीजों को बार-बार अपनी जांच रिपोर्ट और उपचार संबंधी जानकारी साथ रखने की जरूरत कम होगी और इलाज की प्रक्रिया सुगम बनेगी।



सम्मेलन में आभा आईडी के महत्व के साथ ही सरकारी और निजी अस्पतालों, क्लीनिकों तथा अन्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को एबीडीएम के तहत पंजीकरण कराने और डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्वास्थ्य रिकॉर्ड के सुरक्षित आदान-प्रदान और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को अपनाने के



संबंध में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर नोडल डॉ. अरविन्द कुमार, जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी डी.एस. अस्थाना, सभी अपर एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सभी सीएचसी के अधीक्षक और निजी अस्पतालों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में इनको किया गया सम्मानित:- सुनीता पटेल - आशा कार्यकर्ता, कल्पना पांडेय - आशा कार्यकर्ता, शेख संजीदा बानो और आकांक्षा साहू-एएनएम, डॉ. श्रृंगल राज जगतपुर, डॉ. निर्मला साहू - जिला महिला अस्पताल, डॉ. एल.पी. सोनकर-जगत पुर, डॉ. अतुल पांडेय-सीएचसी ऊंचाहार,डॉ. ज्ञान प्रतापसिसोदिया-सीएचसी दीनशाह गौरा, डॉ. रश्मि यादव-पीएचसी सेहंगो, सीएचसी बछरावां, सिटी नर्सिंग होम - निजी अस्पताल।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अन्तर्गत स्व-गणना कराये जाने के संबंध में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। शुक्रवार को



जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण (जनसंख्या की गणना) के अन्तर्गत स्व-गणना एवं प्रचार-प्रसार के संबंध में जनपद के जिला स्तरीय अधिकारियों, विभागाध्यक्षों, बैंक अधिकारियों एवं विश्वविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ बैठक सम्पन्न हुई।बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि 16 नवम्बर से 30 नवम्बर, 2026 तक स्व-गणना तथा 01 दिसम्बर, 2026 से 04 जनवरी, 2027 तक प्रगणकों द्वारा ऐप के माध्यम से घर-घर जाकर जनगणना की जाएगी। उन्होंने बताया कि जनपद प्रयागराज में स्व-गणना का कार्य स्व-गणना पोर्टल पर अपनी गणना स्वयं कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों, बैंक अधिकारियों एवं शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं छात्रावासों के विद्यार्थियों को स्व-गणना के लिए प्रेरित करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करें। स्व-गणना पूर्ण होने पर इसकी सूचना जिला मुख्यालय स्थित जनगणना कार्यालय को उपलब्ध कराने तथा संबंधित फोटोग्राफ जनगणना ग्रुप एवं निर्धारित पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश भी दिए। समस्त जोन एवं चार्ज अधिकारियों को प्रचार-प्रसार माध्यम से चिन्हित सार्वजनिक स्थलों पर बैनर एवं पोस्टर लगवाकर स्व-गणना एवं जनगणना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। स्व-गणना पोर्टल https://महेदद.gh के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति स्वयं एवं अपने परिवार की गणना कर सकता है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, अपर जिला अधिकारी (वि0/रा0) श्रीमती विनीता सिंह, अपर नगर आयुक्त नगर निगम, जिला जनगणना अधिकारी, सहायक निदेशक (जनगणना) जितेन्द्र श्रीवास्तव, समस्त नोडल अधिकारी, विभागाध्यक्ष, बैंक अधिकारी, विश्वविद्यालयों के प्राचार्य, समस्त इंजीनियरिंग कॉलेज एवं जनगणना कार्य से जुड़े समस्त चार्ज अधिकारी उपस्थित रहे।

अब पेंशनरों को नहीं लगाने होंगे बैंक और दफ्तरों के चक्कर,घर बैठे ऑनलाइन प्रमाण-पत्र जमा करने की दी गई जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) देवरिया/वाराणसी। पेंशनरों को



जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने की परेशानी से राहत दिलाने के लिए पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल की ओर से देवरिया में 'डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान-5.0' के तहत प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। 12 नवंबर को आयोजित शिविर में 25 पेंशनरों ने हिस्सा लिया। इस दौरान सभी 25 पेंशनरों का डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र (डीएलसी) जारी किया गया। मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन के कुशल मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक राजेश कुमार के नेतृत्व में मंडल के लेखा एवं पेंशन अनुभाग की ओर से आयोजित इस शिविर में पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र की उपयोगिता और इसे जमा करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। शिविर में बताया गया कि अब पेंशनरों को जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों और बैंकों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है।

वे डिजिटल माध्यम से घर बैठे भी सरलता से अपना जीवन प्रमाण-पत्र जमा कर सकते हैं। इसके लिए पेंशनरों को पूरी प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया और जागरूकता संबंधी पम्पलेट भी वितरित किए गए।

रेलवे अधिकारियों ने डिजिटल सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए पेंशनरों को प्रेरित किया। इस पहल से विशेष रूप से बुजुर्ग पेंशनरों को सहूलियत मिलेगी और उनका समय व श्रम दोनों बचेंगे। साथ ही, तकनीक के माध्यम से पेंशन संबंधी जरूरी औपचारिकताएं पूरी करना भी आसान होगा। इस आशय की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता ने मीडिया को दी।

अयोध्या धाम के दर्शन कर भावविभोर हुए 54 रेलकर्मी,धार्मिक यात्रा के साथ आपसी मेलजोल भावना को मिला बढ़ावा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल की ओर से रेलकर्मियों के



कल्याण और मानसिक प्रसन्नता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अयोध्या भ्रमण शिविर का आयोजन किया गया। कर्मचारी कल्याण निधि के अंतर्गत आयोजित इस विशेष भ्रमण कार्यक्रम में लखनऊ परिक्षेत्र के 54 रेलकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अयोध्या धाम पहुंचकर रेलकर्मियों ने प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में दर्शन-पूजन किया और सुख-समृद्धि की कामना की। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता के निर्देशन में आयोजित इस शिविर के दौरान रेलकर्मियों ने हनुमानगढ़ी मंदिर में भी दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके साथ ही सभी प्रतिभागियों ने अयोध्या के प्रसिद्ध लता चौक तथा पवित्र सरयू नदी के तट पर स्थित रामघाट का भ्रमण किया। सरयू के शांत और आध्यात्मिक वातावरण में कुछ समय बिताकर रेलकर्मियों ने सुखद अनुभूति के साथ नई ऊर्जा का अनुभव किया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कहा कि कर्मचारी किसी भी संस्थान की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। उनके कल्याण, मानसिक प्रसन्नता और सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करना विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से कर्मचारियों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों से जोड़ने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल की व्यस्तता और जिम्मेदारियों के बीच इस प्रकार के भ्रमण से कर्मचारियों को तनाव से राहत मिलती है। साथ ही आपसी मेलजोल, सामाजिक समरसता और टीम भावना को भी मजबूती मिलती है।

ऐसे आयोजन कर्मचारियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और कार्य के प्रति नई प्रेरणा का संचार करते हैं।

रेलवे प्रशासन की इस पहल को कर्मचारियों के कल्याण की दिशा में एक सार्थक कदम माना जा रहा है। इस आशय की जानकारी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को दी।



वल्नरेबल क्षेत्रों का स्थलीय भ्रमण कर संवेदनशील मतदाताओं का करें चिन्हीकरण, लापरवाही पर होगी जवाबदेही तय- जिलाधिकारी चर्चित गौड़

भयमुक्त एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता, सेक्टर अधिकारी समयबद्ध प्रस्तुत करें तथ्यपरक रिपोर्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के दृष्टिगत वल्नरेबिलिटी मैपिंग (संवेदनशीलता मानचित्रण) के संबंध में सेक्टर अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण दो पालियों में संपन्न हुआ। प्रथम पाली में ओबरा एवं घोरावल विधानसभा क्षेत्रों तथा द्वितीय पाली में दुद्धी एवं रॉबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्रों के सेक्टर अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं वल्नरेबिलिटी मैपिंग मैनुअल के अनुरूप संवेदनशील क्षेत्रों, मतदाताओं एवं मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले व्यक्तियों के चिन्हीकरण तथा प्रभावी निरोधात्मक एवं विधिक कार्रवाई के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चर्चित गौड़ ने निर्देशित किया कि सभी सेक्टर अधिकारी अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों का स्थलीय भ्रमण कर वल्नरेबिलिटी मैपिंग की कार्यवाही पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ सुनिश्चित करें। ऐसे मतदाताओं अथवा मतदाताओं के समूहों को चिन्हित किया जाए, जिन्हें मतदान के दौरान किसी भी प्रकार के भय, दबाव अथवा प्रलोभन दिए जाने की आशंका हो। साथ ही, ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध प्रभावी निरोधात्मक एवं विधिक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया जाए।

हत्या के अभियोग से सम्बन्धित 01 अभियुक्त गिरफ्तार व 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया, कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, खाली शराब की बोतल आदि बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। श्रीमान् पुलिस आयुक्त महोदय व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में श्रीमान् पुलिस उपायुक्त व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना बहरिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0-178/26 धारा-103(1) भा0न्या0सं0 से सम्बन्धित 01 वांछित अभियुक्त भूपेन्द्र कुमार पटेल पुत्र भइया राम निवासी अहियापुर थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना बहरिया पुलिस टीम द्वारा दिनांक-12.11.2026 को थाना फूलपुर क्षेत्रान्तर्गत बरना स्थित एच0पी0 पेट्रोल पम्प के पास से गिरफ्तार किया गया व 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। उपरोक्त अभियुक्त व बाल अपचारी के कब्जे/निशांदेही से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल वाहन सं0-यूपी-70 एचपी-2113 व घटना के समय अभियुक्त द्वारा प्रयोग 01 जोड़ी जूते, 01 शराब की खाली बोतल (8 पीएम) 375 एमएल व 01 पैन्ट ग्रे रंग की बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के पश्चात नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। उल्लेखनीय है कि मुकदमा वादी उदय सिंह पटेल पुत्र स्व0 सालिक राम पटेल निवासी ग्राम बटहा थाना मऊआइमा कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा तहरीर दी गयी कि दिनांक 08.11.2026 की शाम को उनके भाई राम दुलार को भूपेन्द्र कुमार अपने साथ ले गया था, जिसकी अगले दिन 09.11.2026 को यह जानकारी मिली कि अज्ञात लोगों द्वारा उनकी हत्या कर शव को



थाना बहरिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सारीपट्टी के एक खेत में फेंक दिया गया है, जिस संबंध में मुकदमा वादी द्वारा भूपेन्द्र कुमार पर भाई की हत्या करने की आशंका जताते हुए दी गयी तहरीर के आधार पर थाना बहरिया पर मु0अ0सं0-178/26 धारा 103(1) भा0न्या0सं0 पंजीकृत किया गया था। पूछताछ का विवरण- गिरफ्तार अभियुक्त भूपेन्द्र कुमार पटेल से पूछताछ में यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्त भूपेन्द्र कुमार पटेल की बहन (मृतक की पत्नी) की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण वह अपनी ढाई बिस्वा जमीन बेचकर बड़े बेटे शिवा के इलाज और बेटी कविता की शादी करना चाहती थी, जिसका जीजा (मृतक) लगातार विरोध करता था और घर पर अक्सर शराब पीकर बहन व बच्चों को मारता-पीटता था, इसी पारिवारिक कलह और जमीन न बेचने की जिद से आजिज आकर अभियुक्त भूपेन्द्र कुमार पटेल उपरोक्त ने अपने बाल अपचारी मित्र के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से शराब के ठेके पर अंग्रेजी शराब पीने के बाद ठेके के पास से 50 रुपये में लाल रंग की नायलॉन की डोरी खरीदी और खेत में ले जाकर जीजा (मृतक) के गले में डोरी कसकर तथा मुंह दबाकर उनकी हत्या कर दी । थाना बहरिया पुलिस द्वारा निशांदेही पर घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, खाली शराब की बोतल आदि बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- भूपेन्द्र कुमार पटेल पुत्र भइया राम निवासी अहियापुर थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 23 वर्ष। सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-178/26 धारा-103(1) भा0न्या0सं0 थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। बरामदगी का विवरण-घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल वाहन सं0-यूपी-70 एचपी 2113, घटना के समय अभियुक्त द्वारा प्रयोग 01 जोड़ी जूते, 01 शराब की खाली बोतल (8 पीएम) 375एमएल व 01 पैन्ट ग्रे रंग की। गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम- 1. थानाध्यक्ष मानवेन्द्र कुमार सिंह, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 2. व0उ0नि0 अमित कुमार सिंह, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 3. उ0नि0 मारुती नन्दन तिवारी, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 4. उ0नि0 भप्पी सोनी, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 5. उ0नि0 बालकेश, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 6. बाल कल्याण अधिकारी म0उ0नि0 रिचा वर्मा, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 7. का0 अखिलेश यादव, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 8. रि0का0 प्रिंस कुमार, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज।

प्रयागराज में नशे के कारोबार पर पुलिस कमिश्नर की बड़ी कार्रवाई, ताड़बाग में सुबह-सुबह छापेमारी,

धूमनगंज थाना क्षेत्र में पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया ने खुद संभाली कमान, स्मैक बेचने के आरोप में कई महिला-पुरुष पकड़े गए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में नशे के अवैध कारोबार के



खिलाफ पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया ने बड़ी कार्रवाई की है। धूमनगंज थाना क्षेत्र के ताड़बाग इलाके में गोपनीय जांच के बाद पुलिस कमिश्नर ने सुबह-सुबह खुद छापेमारी कर नशे के कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान स्मैक बेचने के आरोप में कई महिला और पुरुषों को पकड़ा गया है। मौके से भारी मात्रा में स्मैक बरामद होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में नशे के कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि पकड़े गए लोगों से नशे के अवैध कारोबार से जुड़े माफिया, सप्लायर और नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि स्मैक की आपूर्ति कहां से होती थी और इस कारोबार में कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस कमिश्नर की इस कार्रवाई को प्रयागराज में नशे के अवैध कारोबार पर शिकंजा कसने की दिशा में बड़ी पहल माना जा रहा है। पुलिस की जांच आगे बढ़ने के साथ नशे के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आने की संभावना है।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण में 16 से 30 नवम्बर तक स्व-गणना, जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपदवासियों से की सक्रिय सहभागिता की अपील

जनपद में जनसंख्या गणना के लिए 4,469 गणना ब्लॉक निर्धारित, 4,428 कार्मिकों की तैनाती; सभी कार्मिकों का प्रशिक्षण पूर्ण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारत सरकार के निर्देशानुसार जनगणना-2027 का कार्य दो चरणों में संपन्न कराया जा रहा है। प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण का कार्य 22 मई से 20 जून, 2026 तक सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है। अब द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। इसके अंतर्गत जनपदवासी 16 नवम्बर से 30 नवम्बर, 2026 तक आधिकारिक स्व-गणना पोर्टल se.census.gov.in पर जाकर स्वयं अपने एवं अपने परिवार के सदस्यों की जानकारी दर्ज कर सकेंगे। स्व-गणना की प्रक्रिया के तहत सर्वप्रथम आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपनी भाषा का चयन करते हुए मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करना होगा। इसके बाद परिवार के निवास स्थान का सत्यापन कर निर्धारित 40 प्रश्नों के माध्यम से परिवार के सभी सदस्यों की जानकारी सावधानीपूर्वक भरनी होगी। सभी विवरणों की जांच करने के बाद जानकारी सबमिट करनी होगी। स्व-गणना पूर्ण होने के उपरांत प्राप्त पहचान संख्या को सुरक्षित रखना होगा तथा प्रगणक के घर पहुंचने पर उन्हें उपलब्ध कराना होगा, जिससे दर्ज की गई जानकारी का आवश्यक सत्यापन किया जा सके। जनगणना कार्यक्रम के अनुसार 01 दिसम्बर, 2026 से 04 जनवरी, 2027 तक प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात 05 जनवरी से 09 जनवरी, 2027 तक पुनरीक्षण का कार्य संपन्न कराया जाएगा। जनपद में 16 चार्ज अधिकारी नामित, 4,469 गणना ब्लॉक निर्धारित- जनपद सोनभद्र में जनगणना-2027 के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए कुल 16 चार्ज अधिकारी नामित किए गए हैं, जिनमें 04 ग्रामीण एवं 12 नगरीय चार्ज शामिल हैं। पूरे जनपद में कुल 4,469 गणना ब्लॉक निर्धारित किए गए हैं। इस कार्य के लिए कुल 4,428 कार्मिकों की तैनाती की गई है, जिनमें 3,781 प्रगणक एवं 647 सुपरवाइजर शामिल हैं। जनगणना कार्य को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित कार्मिकों का प्रशिक्षण पूर्ण कराया जा चुका है। प्रशिक्षण कार्य के लिए 02 मास्टर ट्रेनर एवं 68 फील्ड ट्रेनर भी नियुक्त किए गए हैं। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से स्व-गणना में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की:-जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने समस्त जनपदवासियों से अपील की है कि जनगणना-2027 के इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें तथा 16 से 30 नवम्बर, 2026 तक आधिकारिक स्व-गणना पोर्टल se.census.gov.in पर जाकर स्वयं अपने एवं अपने परिवार की सही एवं पूर्ण जानकारी दर्ज करें। उन्होंने कहा कि स्व-गणना के उपरांत प्राप्त पहचान संख्या को सुरक्षित रखें तथा घर पहुंचने वाले प्रगणकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं।

जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें प्रत्येक परिवार की सहभागिता आवश्यक है।

अतः सभी जनपदवासी प्रशासन को सहयोग प्रदान करते हुए जनगणना कार्य को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

नन्हे हाथों के बड़े संकल्प सेक्टर-105 के मासूम सितारे गढ़ रहे हैं स्वच्छ और स्वर्णिम भारत की तस्वीर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जब नन्हे कदम समाज को राह दिखाने निकलते हैं, तो हर मुश्किल आसान लगने लगती है। इस बाल दिवस पर नोएडा का



सेक्टर-105 अपने उन मासूम बच्चों पर गर्व कर रहा है, जो अपनी कोमल उम्र में ही समाज और देश का मान बढ़ा रहे हैं। ?एक ओर जहाँ स्टेप बाय स्टेप स्कूल के पाँच होनहार बच्चे–प्रशस्त कुमार, तिष्या पुरी, शिवनंदिनी धौल, यशवी टंडन और कबीर सिंह दयाल–हर महीने अपने नन्हे हाथों से झाड़ू थामकर सेक्टर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने की अनूठी मिसाल पेश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सेक्टर-105 (निवासी ए-56, सेक्टर-106) के मात्र साढ़े दस वर्षीय बाल निशानेबाज़ धनंजय नेहरा (सुपुत्र श्री समीर नेहरा) ने स्टेट और ओपन नेशनल में क्वालीफाई करते हुए दिसंबर में होने वाली 'नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप 2026' में अपनी जगह पक्की कर पूरे शहर का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है। धनंजय ने हाल ही में 2 से 5 नवंबर 2026 तक मोदीनगर में आयोजित 'बीएफ्स शूटिंग क्लब चैंपियनशिप' की सब-यूथ श्रेणी में शानदार प्रदर्शन करते हुए एनआर (एनआर) और आईएसएसएफ दोनों ही वर्गों में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने नोएडा में आयोजित 'शूटिंग गुरु चैंपियनशिप 2026' के अंडर-12 वर्ग में भी प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। स्वच्छता के इन नन्हे दूतों का हौसला बढ़ाने के लिए स्वयं नोएडा प्राधिकरण के जीएम श्री ए. के. अरोड़ा जी और जनस्वास्थ्य विभाग के जीएम श्री आर. एस. यादव जी भी समय-समय पर इनके बीच पहुँचते रहे हैं। ?बाल दिवस के इस पावन अवसर पर इन बच्चों को स्नेह और आशीर्वाद देते हुए आरडब्ल्यूए सेक्टर-105 के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने भावुक होकर कहा कि जिस उम्र में बच्चे केवल खिलौनों से खेलते हैं, उस उम्र में हमारे क्षेत्र के ये नन्हे सितारे स्वच्छता की मशाल और राष्ट्रीय खेलों के पदक थामकर पूरे समाज को आईना दिखा रहे हैं।जब बच्चों की नीयत इतनी पवित्र और संकल्प इतना अटल हो, तो देश का भविष्य निसंदेह सबसे सुरक्षित और उज्ज्वल हाथों में है। ?पूरा सेक्टर-105 परिवार आज अपने इन नन्हे चैंपियनों की मासूमियत, समर्पण और उपलब्धियों को सलाम करते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य तथा धनंजय की आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्णिम जीत की कामना करता है।

नोएडा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकती हैं शालिनी सिंह, 2027 के चुनाव को लेकर सियासी चर्चाएं तेज

भाजपा किसे बनाएगी अपना उम्मीदवार, शालिनी सिंह और पंकज सिंह के नामों को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश में आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर अभी समय बाकी है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में चुनावी सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े नेता और संभावित उम्मीदवार अपनी-अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुट गए हैं। इसी बीच नोएडा विधानसभा सीट से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की





बेटी शालिनी सिंह के चुनाव लड़ने की चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं। शालिनी सिंह पिछले काफी समय से नोएडा में सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से सक्रिय हैं और लगातार लोगों के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, शालिनी सिंह ने भी संकेत दिया है कि यदि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उन्हें नोएडा से टिकट देता है तो वह चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं।

वहीं, नोएडा विधानसभा सीट से वर्तमान विधायक पंकज सिंह भी भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख चेहरों में शामिल हैं।

ऐसे में राजनीतिक जानकारों और कार्यकर्ताओं के बीच यह चर्चा भी हो रही है कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा किसे अपना प्रत्याशी बनाएगी। फिलहाल पार्टी की ओर से उम्मीदवारों को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। अब देखना दिलचस्प होगा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी नोएडा सीट से किस पर भरोसा जताती है और क्या शालिनी सिंह को चुनावी मैदान में उतरने का मौका मिलता है?

प्रयागराज में रेस्टोरेंट में गए वकील की कार का शीशा तोड़ा,सिविल लाइंस की घटना

प्रयागराज। अराजकतत्वों ने कार का शीशा तोड़कर लूट की कोशिश की। सुभाष चौराहे के पास एमजी रोड पर रेस्टोरेंट के बाहर खड़ी कार को निशाना बनाया गया। कार मालिक दोस्तों के साथ खाना खाने गए थे। इसी दौरान किसी ने कार का दाहिनी तरफ का पिछला शीशा तोड़ दिया। अंदर रखे सामान को खंगाल डाला। घटना शुक्रवार की रात सिविल लाइंस चौकी से 200 मीटर की दूरी पर हुई। पीड़ित ने चौकी में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। कौशांबी जनपद की जिला अदालत में वकालत करने वाले सोनू कुमार गुप्ता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 13 नवंबर की रात वह अपने दोस्तों के साथ सिविल लाइंस स्थित एक रेस्टोरेंट में खाना खाने गए थे। उन्होंने अपनी मारुति वैगनआर कार रेस्टोरेंट के बाहर खड़ी कर दी थी। खाना खाने के बाद जब वह रात करीब 9:30 से 10:10 बजे के बीच कार के पास पहुंचे तो नजारा देखकर हैरान रह गए। कार के दाहिनी तरफ पीछे के दरवाजे का शीशा टूटा हुआ था। अंदर रखा सामान भी इधर-उधर बिखरा पड़ा था। कार को भी नुकसान पहुंचाया गया था। पीड़ित का कहना है कि अज्ञात व्यक्ति ने कार का शीशा तोड़कर उसमें रखे सामान को खंगाला। आशंका है कि आरोपी ने कार में रखे कीमती सामान को चोरी करने या लूटने की कोशिश की। हालांकि, शिकायत में किसी सामान के चोरी होने की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। घटना की जगह सिविल लाइंस चौकी से करीब 200 मीटर दूर बताई जा रही है। शहर के व्यस्त और पॉश इलाके में इस तरह कार का शीशा तोड़ने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित ने चौकी में शिकायत देकर मामले की जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर सोनभद्र पुलिस का व्यापक जनजागरूकता अभियान

'नारी का सम्मान,सुरक्षा की पहचान-सोनभद्र पुलिस का यही अभियान'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं



सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय/नोडल अधिकारी सुश्री मेविस टॉक के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत जनपद में व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के क्रम में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं सरकारी सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रमों के दौरान गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकार, लैंगिक समानता, बाल विवाह की रोकथाम तथा महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की जा रही है। साथ ही, महिलाओं एवं बालिकाओं को किसी भी प्रकार की समस्या, उत्पीड़न अथवा असुरक्षा की स्थिति में बिना किसी भय या संकोच के पुलिस से संपर्क करने तथा संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है।

साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत बच्चों एवं बालिकाओं को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति किया जा रहा जागरूक। साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों, बालिकाओं एवं आमजन को साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जा रही है। कार्यक्रमों के दौरान ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड, साइबर ग्रूमिंग, टेलीग्राम फ्रॉड, फर्जी ट्रेडिंग/इन्वेस्टमेंट ग्रुप, क्रिप्टोकरेंसी स्कैम एवं फिशिंग लिंक सहित विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सतर्क रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। साइबर सुरक्षा के दृष्टिगत लोगों को ओटीपी, बैंकिंग विवरण, पासवर्ड एवं व्यक्तिगत जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करने तथा संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने की सलाह दी जा रही है। साथ ही, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, अनजान व्यक्तियों से ऑनलाइन संपर्क के दौरान सतर्कता बरतने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना संबंधित एजेंसी को देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। किसी भी प्रकार का साइबर अपराध होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना देने तथा आधिकारिक वेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी जा रही है। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर:- 112 - आपातकालीन पुलिस सेवा,1090/1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन, 181 - महिला हेल्पलाइन, 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सोनभद्र पुलिस की अपीलः महिलाएं एवं बालिकाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें, किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज उठाएं तथा आवश्यकता पड़ने पर पुलिस एवं संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं की सहायता लें। आमजन भी साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहें और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाएं। 'सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन – सशक्त नारी, सशक्त राष्ट्र।'

डिस्ट्रिक्ट फार्मासिस्ट एसोसिएशन द्वारा लंबित मांगों के लिए दिया धरना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। डीपीए उत्तर प्रदेश के आह्वान पर फार्मासिस्ट संवर्ग की लंबित मांगों के सम्बंध में सीएमओ कार्यालय रायबरेली परिसर में आज दिनांक 13.11.2026 को डीपीए रायबरेली के बैनर तले एकदिवसीय धरने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद रायबरेली के समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय रायबरेली के समस्त फार्मेसिस्ट एवं चीफ फार्मासिस्ट सम्मिलित हुए। धरने पर उपस्थित सभी सदस्यों ने इस बात पर गहरा रोष व्यक्त किया कि शासन एवं स्वास्थ्य महानिदेशालय की उदासीनता के कारण फार्मासिस्ट संवर्ग की अनेक वित्तीय एवं गैर वित्तीय मांगे लंबे समय से लंबित चल रही हैं। जिसमें पदनाम परिवर्तन,कैडर का पुनर्गठन, वरिष्ठता सूची जारी करने एवं उच्च पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया शासन से कई बार की वार्ताओं में मिले आश्वासन के बाद भी पूरी नहीं की जा रही है।

धरने पर उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यदि संवर्ग की मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं होती है तो समस्त सदस्य प्रांतीय कार्यकारिणी के आवाहन पर दिनांक 20 नवंबर 2026 को महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उत्तर प्रदेश लखनऊ के कार्यालय पर एकदिवसीय धरना देंगे और वहीं पर आगामी आंदोलन की घोषणा करेंगे। धरने में प्रमुख रूप से डीपीए रायबरेली के अध्यक्ष श्री सुरेश चौधरी, मंत्री श्री दिवाकर सिंह, अतुल यादव,प्रमोद पांडेय, आनंद देव सिंह, नरेंद्र पटेल, महेंद्र गुप्ता, अनिल सिंह, रमाकांत चौधरी, अजय गुप्ता, धनंजय यादव, रंजीत मौर्या, प्रशांत शुक्ला आदि सहित सैकड़ो फार्मासिस्ट उपस्थित रहे।

न्यूरोसर्जरी और न्यूरोलॉजी की आधुनिक तकनीकों पर विशेषज्ञों ने दिया प्रशिक्षण,UBE, MISS TLIF, DSA, EEG, TCD और बोटॉक्स इंजेक्शन पर हुए प्री-कांफ्रेंस वर्कशॉप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। UP-UK Neurocon 2026 के पहले दिन शुक्रवार को मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज परिसर के ओल्ड एग्जामिनेशन हॉल में न्यूरोसर्जरी और न्यूरोलॉजी के प्री-कांफ्रेंस वर्कशॉप आयोजित किए



गए। आयोजन सचिव डॉ. पंकज कुमार गुप्ता ने बताया कि सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक चले इन वर्कशॉप में प्रतिभागियों को आधुनिक सर्जिकल तकनीकों और जांच एवं उपचार प्रक्रियाओं की व्यावहारिक जानकारी और प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. गुप्ता के अनुसार, न्यूरोसर्जरी के अंतर्गत यूबीई (यूनिलैटरल बाइपोर्टल एंडोस्कोपी) पर डॉ. गौरव बंसल, डॉ. अहमद अंसारी और डॉ. ओ.पी. सिंह ने प्रशिक्षण दिया। मोनोपोर्टल एंडोस्कोपी और दर्द प्रबंधन के लिए ब्लॉक्स के सत्र में डॉ. अचल गुप्ता ने तकनीक के व्यावहारिक पहलुओं पर जानकारी साझा की और प्रशिक्षण भी दिया। मोनोपोर्टल एंडोस्कोपी से स्पाइन सर्जरी और एंडोवैस्कुलर तकनीकों पर भी अलग-अलग वर्कशॉप हुए। एंडोवैस्कुलर सत्र में डॉ. दीपक कुमार सिंह ने मस्तिष्क की रक्तवाहिनियों से जुड़ी बीमारियों के उपचार की आधुनिक तकनीकों पर जानकारी दी और इंडोवेस्कुलर तकनीक से मस्तिष्क की धमनियों में होने वाले गुब्बारे नुमा उभार (एन्यूरिज्म) को बंद करने की आधुनिक विधाओं का प्रशिक्षण दिया। न्यूरोलॉजी के वर्कशॉप में ईईजी का सत्र डॉ. विनोद कुमार पुरी ने लिया। ट्रांसक्रेनियल डॉप्लर (टीसीडी) पर डॉ. वरुण सिंह, डॉ. और अभिषेक पाठक और ने प्रशिक्षण दिया। मूवमेंट डिसऑर्डर में बोटॉक्स इंजेक्शन की सूक्ष्म तकनीक के सत्र में डॉ. श्वेता पांडेय, डॉ. अब्दुल कावी और डॉ. सौरभ कुमार ने उपचार एवं इंजेक्शन तकनीक से जुड़े पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया। वर्कशॉप आयोजन में डॉ. ओ.पी. सिंह, डॉ राजेंद्र प्रसाद, डॉ अशोक कुमार, डॉ. यतेन्द्र शुक्ला, डॉ गुलाब सोनी, डॉ अक्षत पाण्डे और डॉ. सिद्धार्थ सिंह ने सहयोग किया।

आयोजन अध्यक्ष डॉ मुकुल पाण्डे ने बताया कि शुक्रवार शाम रेडिसन होटल प्रयागराज में वीडियो प्रेजेंटेशन सत्र आयोजित हुए। इनमें जटिल एन्यूरिज्म की इंडोवैस्कुलर क्वायलींग, माइक्रोवैस्कुलर एनास्टोमोसिस, कैरोटिको-कैवर्नस फिस्टुला का इन्डोवैस्कुलर उपचार, माइक्रोन्यूरोसर्जरी और एंडोस्कोपिक एन्यूरिज्म क्लिपिंग पर प्रस्तुतियां दी गईं। दूसरे सत्र में ब्रेन ट्यूमर (ग्लायोमा)ड्यूरल आर्टेरियोवेनस फिस्टुला, एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी, और रोबोटिक ब्रेन एवं स्पाइन सर्जरी से जुड़े वीडियो और अनुभव साझा किए गए। डॉ. पंकज गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन के मुख्य अकादमिक सत्र 14 और 15 नवंबर को एएमए कन्वेंशन सेंटर में होंगे। उक्त अवसर पर प्रो. एस.पी.एस. चौहान, प्रो. एन.सी. द्विवेदी, डॉ. कार्तिकेय शर्मा, डॉ. मुकुल पांडेय, प्रो. एन.एन. गोपाल, डॉ. प्रकाश खेतान, डॉ. सुशील मिश्रा, डॉ. कमलेश कुमार सोनकर, डॉ. विमल पालीवाल, डॉ. अनंत मेहरोत्रा, डॉ. सत्यदेव पांडेय, डॉ. गुलाब सोनी, डॉ. ओ.पी. सिंह, डॉ. यतेन्द्र शुक्ला, डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. अमित कुमार सिंह, डॉ. प्रभात सिंह, डॉ. नितिश कुमार सिंह, डॉ. अंचल चौहान, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. आशीष राय, डॉ. अर्चना ओझा, डॉ. बी.के. सिंह, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. सचिन सिंह, डॉ. सौरभ आनंद दुबे, डॉ. मोहम्मद तारिक अंसारी और डॉ. आर.पी. पांडेय एवं अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

बाल दिवस पर मनोरंजन से कहीं अधिक जरूरी है बच्चों की सुरक्षा की सीख! माकून्स प्री स्कूल में आयोजित हुई विशेष बॉडी सेफ्टी अवेयरनेस वर्कशॉप

'मेरा शरीर, मेरी सुरक्षा' - नन्हे बच्चों को खेल-खेल में सिखाए गए सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, व्यक्तिगत सीमाओं और अपनी आवाज उठाने के अधिकार के गुर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बाल दिवस बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने, उनके साथ खुशियां बांटने और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन करने का अवसर है। लेकिन क्या बच्चों



को केवल मनोरंजन देना ही पर्याप्त है? क्या उन्हें अपने शरीर की सुरक्षा, व्यक्तिगत सीमाओं और असुरक्षित परिस्थितियों को पहचानने की समझ देना उससे भी अधिक जरूरी नहीं है? इसी महत्वपूर्ण सोच के साथ बाल दिवस के अवसर पर माकून्स प्री स्कूल, लूकरगंज, प्रयागराज में बच्चों के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यशाला 'Safe Touch and Un-safe Touch – My Body, My Rules!' का आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन डॉ. इशान्या राज, कंसल्टेंट क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, प्रयागराज द्वारा किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को केवल मनोरंजन प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसी महत्वपूर्ण जीवन-कौशल (Life Skills) से परिचित कराना था, जो उनके वर्तमान और भविष्य दोनों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। क्या बच्चों को अपने शरीर पर अपना अधिकार समझने का मौका मिल रहा है? कार्यशाला के दौरान रंगीन चित्रों, कार्टून, रोचक उदाहरणों और इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श के बीच अंतर समझाया गया। बच्चों से पूछा गया कि उन्हें हाई-फाइव, हग, किस और पीठ पर प्यार से हाथ फेरना कब अच्छा लगता है और कब असहज महसूस होता है। इस संवाद के माध्यम से उन्हें बताया गया कि प्यार और स्नेह के नाम पर भी किसी की व्यक्तिगत सीमाओं का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। बच्चों की सहमति और सहजता का सम्मान करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। STOP - GO – TELL: बच्चों की सुरक्षा के तीन महत्वपूर्ण मंत्र-कार्यशाला में बच्चों को तीन सरल लेकिन प्रभावशाली सुरक्षा नियम सिखाए गए:- STOP: असहज स्पर्श होने पर 'नहीं' या 'रुको' कहना। - GO: ऐसी परिस्थिति से दूर होकर सुरक्षित स्थान पर जाना। - TELL: माता-पिता, शिक्षक या किसी विश्वसनीय बड़े व्यक्ति को बताना। इसके साथ ही बच्चों को निजी अंगों (Private Body Parts), बॉडी बाउंड्रीज, अच्छे-बुरे रहस्यों और अपनी असहमति व्यक्त करने के अधिकार के बारे में भी जागरूक किया गया। निदेशक अनुराग ने कहा- बच्चों को चुप रहना नहीं, अपनी आवाज उठाना सिखाएंडॉ. इशान्या राज ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा केवल शारीरिक संरक्षण तक सीमित नहीं है। उन्हें अपनी भावनाओं को पहचानने, असहज परिस्थितियों को समझने, अपनी सीमाएं निर्धारित करने और आवश्यकता पड़ने पर सहायता मांगने में सक्षम बनाना भी उतना ही आवश्यक है। प्रधानाचार्य श्री विवेक यादव ने कहा कि बॉडी सेफ्टी एजुकेशन किसी एक दिन की गतिविधि नहीं, बल्कि बचपन से शुरू होने वाली निरंतर प्रक्रिया होनी चाहिए। बच्चों को यह विश्वास दिलाना जरूरी है कि उनकी बात सुनी जाएगी, उन्हें दोषी नहीं ठहराया जाएगा और किसी भी अनुचित व्यवहार की जिम्मेदारी उनकी नहीं है। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य विवेक यादव, निदेशक अनुराग एवं सुश्री प्रियंका जायसवाल की उपस्थिति एवं सहभागिता रही। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा, भावनात्मक स्वास्थ्य और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

जन-आस्था को मिला प्रशासन का सस्नेह सम्मानः सेक्टर-105 में स्थायी छठ घाट के निर्माण ने जीता हर श्रद्धालु का दिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जब प्रशासन की संवेदनशीलता और नागरिकों की सच्ची निष्ठा एक साथ मिलती है, तो इतिहास बनता है और हर दिल गर्व व आनंद से भर जाता है। कुछ ऐसा ही भावुक और अद्भुत दृश्य



इन दिनों सेक्टर-105 के सामुदायिक केंद्र परिसर में देखने को मिल रहा है, जहाँ लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के लिए एक भव्य और स्थायी छठ घाट का निर्माण तीव्र गति से चल रहा है। इस पहल ने सेक्टर के हर एक छठ श्रद्धालु का दिल जीत लिया है। सेक्टर-105 में पिछले चार वर्षों से निरंतर श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास के साथ छठ महापर्व का आयोजन होता आ रहा है। माताओं-बहनों की इस अगाध आस्था और निरंतर बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-105 ने नोएडा प्राधिकरण के उच्चाधिकारियों से एक स्थायी छठ घाट के निर्माण का विशेष आग्रह किया था। आरडब्ल्यूए के इस जनभावना से जुड़े आग्रह पर त्वरित और संवेदनशील संज्ञान लेते हुए नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (जीएम) श्रीमान ए. के. अरोड़ा जी ने श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान किया और सामुदायिक केंद्र में एक स्थायी छठ घाट के निर्माण की सौगात दे दी। यह घाट अत्यंत सुंदर और आधुनिक रूप में आकार ले रहा है, जिसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि छठ महापर्व के संपन्न होने के पश्चात इसे एक मनमोहक फाउंटेन (फव्वारे) का रूप दे दिया जाएगा। यह निर्माण न केवल पर्व को सुगम बनाएगा, बल्कि वर्ष भर इस क्षेत्र की शोभा भी बढ़ाएगा। इस अत्यंत सराहनीय एवं पुनीत कार्य के लिए आरडब्ल्यूए सेक्टर-105 के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय (दीपक शर्मा) एवं समस्त कार्यकारिणी ने महाप्रबंधक श्रीमान ए. के. अरोड़ा जी के प्रति हृदय की गहराइयों से अपना अत्यधिक आभार एवं कोटि-कोटि धन्यवाद ज्ञापित किया है। ?इसके साथ ही, इस परियोजना को पूरी तन्मयता और गुणवत्ता के साथ धरातल पर उतारने वाले वरिष्ठ प्रबंधक रोहित सिंह जी तथा अवर अभियंता श्री विक्रम सिंह मोगा जी के प्रति आरडब्ल्यूए परिवार ने अपनी विशेष कृतज्ञता प्रकट की है। अधिकारियों की इस कर्तव्यनिष्ठा और जनहितैषी सोच ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब प्रशासन का सहयोग मिलता है, तो संस्कृति और विकास दोनों को पंख लग जाते हैं।

छठ महापर्व के इस पावन अवसर पर आरडब्ल्यूए सेक्टर-105 परिवार की ओर से छठी मैया के श्रीचरणों में यही प्रार्थना है कि वे समूचे नोएडा प्राधिकरण परिवार, इन सभी कर्मठ अधिकारियों और देश-विदेश के समस्त देशवासियों के जीवन को सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और प्रकाश से परिपूर्ण रखें।

जेन-जी को समझिए, वे उतने बुरे नहीं हैं जितना आप सोचते हैं

'मे आई कम इन', यह सुनते ही एचआर पर्सन ने अपनी डेस्क से नजर उठाई और सिर हिला दिया। कैंडिडेट अंदर आया, कुर्सी में धंसकर बैठा और सीधे बैठने



की कोशिश किए बिना ही बैठा रहा। एचआर पर्सन कुछ सेकंड इंतजार करती रहीं कि वह एयरपॉड्स निकाले। जब उसने ऐसा नहीं किया तो उन्होंने एयरपॉड्स निकालने को कहा और पूछा कि उसे कैशियर की नौकरी क्यों सही लगती है? उसने कहा कि 'यह पार्ट-टाइम जॉब है और मैं फ्री टाइम में जो करना चाहता हूं, उसके हिसाब से ठीक है। मैं अपने दोस्तों के साथ बाहर जा सकता हूं, छुट्टियों पर जा सकता हूं और ऐसी दूसरी चीजें कर सकता हूं।' उसके जवाब, टोन और बॉडी लैंग्वेज ने पूरे सिलेक्शन पैनल को एक साफ संदेश दे दिया थाः वह ऐसा व्यक्ति नहीं होगा, जो शुक्रवार की रात बाहर घूमने के बाद शनिवार सुबह तैयार होकर काम पर पहुंच जाए। अगर उसकी सोशल लाइफ में बाधा आई तो शायद काम ही पहली चीज होगी, जिसे वह त्याग देगा। अगला कैंडिडेट अलग था। उसने अपने अपीरियंस, गंभीरता और धैर्य से पैनल को इम्प्रेस किया। जब तक उसे नहीं बोला गया, उसने बैठने का इंतजार किया और फिर सीधा होकर बैठा, सुनने के लिए तैयार। उसे शॉर्टलिस्ट कर लिया गया और पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) काउंटर पर काम कर रहे युवा कैशियरों को आब्जर्व करने के लिए दो घंटे दिए गए। उसका टेस्ट एक खाली काउंटर से शुरू हुआ। बिल 1272 रुपए का था। कस्टमर बनी एचआर पर्सन ने उसे 500-500 रुपए के तीन नोट दिए। कैश ड्रॉअर में अलग-अलग कीमत के नोट थे, लेकिन सिर्फ 10 रुपए तक के। साथ ही 1 रुपए के दो सिक्के भी थे। मशीन ने उसे 228 रुपए लौटाने को कहा। वह हिचकिचाया। पहले उसने कस्टमर से कहा कि उसके पास छुट्टे नहीं हैं। कस्टमर ने उसे 1-1 रुपए के दो सिक्के दिए और 230 रुपए लौटाने का सुझाव दिया। लेकिन कैंडिडेट ने मना कर दिया और कहा कि मशीन साफ तौर पर 228 रुपए दिखा रही है। वह अपना काउंटर बंद कर दूसरे काउंटर पर गया, छुट्टे लिए और बिल्कुल सही रकम लौटाई। इस पूरी प्रक्रिया में करीब चार मिनट लगे और इस दौरान कतार में पांच और ग्राहक बढ़ गए। एचआर टीम ने उसे एक हफ्ते की ट्रेनिंग पर भेजने का निर्णय किया- कैश संभालने की नहीं, बल्कि भीड़ संभालने की। दोनों कैंडिडेट तकनीकी रूप से सक्षम थे। लेकिन जो चीज दोनों को अलग करती थी, वह था काम के प्रति उनका रवैया। रविवार दोपहर महाराष्ट्र के जलगांव स्थित जैन इरिगेशन के कार्यालय में जब मेरी मुलाकात कंपनी के चारों प्रमोटर भाइयों- अशोक जैन, अनिल जैन, अजित जैन और अतुल जैन-से हुई, और मैंने उन्हें ये उदाहरण सुनाए तो उनका भी यही मानना था कि समाज जिस तरह से जेन-जी को नकारात्मक रूप में पेश कर रहा है, वे वास्तव में उतने बुरे नहीं हैं। उनका कहना था कि जेन-जी के युवा अलग तरह से सोचते हैं, कुछ खास मूल्य-व्यवस्था को महत्व देते हैं और अपनी बात खुलकर व्यक्त करते हैं। शायद यही वजह है कि समाज उनके बारे में कई तरह की धारणाएं बना लेता है। अनिल जैन ने कहा, ' जेन-जी को संभालने के लिए हमें सबसे पहले अपने भीतर नेतृत्व क्षमता विकसित करनी होगी।' कोई आश्चर्य नहीं कि आप सभी ने वो सुना होगा, जो पिछले हफ्ते बिल गेट्स ने फ्यूचर टेक्नोलॉजी के बारे में कहा। टेक्नोलॉजी फोरकास्टर के तौर पर उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। इसलिए उनकी बात पर आपको ध्यान देना चाहिए। उन्होंने भविष्यवाणी की कि आने वाले वर्षों में सिर्फ कुछ जातियों या दिव्यांग लोगों को ही जॉब रिजर्वेशन नहीं दिया जाएगा, बल्कि पूरी मानव प्रजाति ये रिजर्वेशन मांग सकती है, क्योंकि रोबोट और एआई मशीनों की बाढ़ हमारे जॉब छीन सकती है- शायद पहले कैंडिडेट की लापरवाही के कारण या दूसरे की गणितीय समझ की कमी के कारण।लेकिन मध्य प्रदेश के ब्यावरा के 21 वर्षीय बीएससी स्टूडेंट सुरेंद्र सिंह चौधरी जैसे लोग भी हैं, जिन्हें अपने दरवाजे पर ही जॉब ऑफर मिलते हैं। सात महीनों तक उन्होंने अकेले ही प्रदूषित अजनार नदी की सफाई की। शायद इसलिये उन्हें नीदरलैंड्स से जॉब ऑफर मिलने की खबरें आ रही हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि हमें सुरेंद्र जैसे कमिटेड एंप्लॉयी क्यों नहीं मिलते?

मैं हमेशा रिजेक्टेड एंप्लॉयीज का इंटरव्यू करता हूं, ताकि उनका व्यवहार समझ सकूं। उन्हें नहीं लगता है कि उन्हें इतना वेतन मिल रहा कि वे अपना घर खरीदने के बारे में सोच सकें। आर्थिक अस्थिरता, कॉस्ट ऑफ लिविंग और और सोशल मीडिया पर लगातार दूसरों से तुलना करना उन्हें जीवन को काम के लिए वैसे समर्पित करने के प्रति हतोत्साहित करता है, जैसे उनके पैरेंट्स ने किया था। फंडा यह है कि अगर आप जेन-जी के बिहेवियर पैटर्न समझेंगे तो आप उन्हें उनके व्यवहार के कारण रिजेक्ट नहीं करेंगे, जैसा कि मैंने पहले उम्मीदवार को जॉब ऑफर की थी। एन. रघुरामन

एआई सीखने की जगह नहीं लेगा, पर उसका तरीका जरूर बदलेगा

जेन-जी और जेन-अल्फा ऐसी शैक्षणिक दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं, जो पिछली पीढ़ियों से बिल्कुल अलग है। इनके पास



इंटरनेट, डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्मार्टफोन, एआई तक अभूतपूर्व पहुंच है। आज एक छात्र दुनिया के बेहतरीन संसाधनों से सीख सकता है, एआई को लर्निंग असिस्टेंट की तरह इस्तेमाल कर सकता है, जटिल प्रणालियों का सिमुलेशन कर सकता है, बड़े डेटासेट का विश्लेषण कर सकता है और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में बैठे लोगों से सहयोग कर सकता है। लेकिन जानकारी तक पहुंच को ज्ञान और एआई तक पहुंच को बुद्धिमत्ता नहीं समझना चाहिए। आज की शिक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि छात्र सिर्फ जानकारी और जवाब हासिल करना न सीखें, बल्कि आलोचनात्मक ढंग से सोचें, सही सवाल पूछें, तर्क करें, रचनात्मक तरीके से काम करें और अपने फैसलों की जिम्मेदारी भी लें। शिक्षा व्यवस्था को अब सूचना-केंद्रित मॉडल से दक्षता, जिज्ञासा और प्रॉब्लम-सॉल्विंग-सेंट्रिक मॉडल की ओर बढ़ना होगा।एआई शिक्षा में सीखने की जगह तो नहीं लेगा, लेकिन उसे बढ़ाने वाला माध्यम जरूर बनेगा। छात्र इसका इस्तेमाल जानकारी पाने, वैकल्पिक व्याख्याएं समझने, तत्काल फीडबैक लेने और अलग-अलग परिस्थितियों का सिमुलेशन करने के लिए कर सकते हैं। लेकिन जरूरी है कि उनकी बुनियादी समझ इतनी मजबूत हो कि वे एआई के जवाब पर सवाल उठा सकें, उसकी गलती पहचान सकें और जानकारी को वेरिफाई कर सकें। सबसे विकसित एआई मॉडल भी गलती कर सकते हैं, इसलिए छात्रों को एआई के जवाब को आंख मूंदकर स्वीकार करने की बजाय उसे परखने और तकनीक का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने की क्षमता विकसित करनी होगी। लक्ष्य सिर्फ एआई यूजर नहीं, बल्कि स्किल्ड, इनोवेटिव और जिम्मेदार मनुष्य तैयार करना होना चाहिए। जब जानकारी हर जगह उपलब्ध है तो शिक्षक को भी अपनी भूमिका बदलनी होगी। टीचर अब सिर्फ जानकारी पहुंचाने वाला व्यक्ति नहीं हो सकता। उसे मेंटर, फैसिलिटेटर, चिंतक और मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। छात्रों को यह समझने में मार्गदर्शन देना होगा कि कौन-सी जानकारी विश्वसनीय है, ज्ञान कैसे निर्मित होता है और उसे मानवता के लिए सार्थक समाधान में कैसे बदला जा सकता है। जेन-जी और जेन-अल्फा के डिजिटल रूप से सक्षम होने का मतलब यह नहीं है कि उन्हें अनुशासन की कम जरूरत है। बल्कि उन्हें अलग तरह के अनुशासन की जरूरत है। उन्हें अपना ध्यान नियंत्रित करना, तकनीक का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करना, लगातार काम करना, नैतिक फैसले लेना और अपने काम के परिणामों के प्रति जवाबदेह रहना सीखना होगा। अब शिक्षक-छात्र सम्बंध भी शिक्षा के केंद्र में रहेंगे और एआई के दौर में इसकी भूमिका और महत्वपूर्ण होगी। शिक्षा में तकनीक को मानवीय पक्ष का विकल्प नहीं, बल्कि उसका सहायक बनाना होगा। मौजूदा शिक्षा व्यवस्था की बुनियाद आज भी प्रासंगिक है। बदलाव का मतलब पुराने सिस्टम को खत्म करना नहीं, बल्कि उसे अगले चरण तक ले जाना है। गणित, विज्ञान, इंजीनियरिंग, ह्यूमैनिटीज, कम्युनिकेशन, नैतिकता और आलोचनात्मक-चिंतन जैसे बुनियादी विषयों को बनाए रखते हुए इन्हें एआई, डेटा साइंस, रोबोटिक्स, उन्नत मैन्युफैक्चरिंग, बायोटेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर्स, ऊर्जा, स्वास्थ्य-सेवा और जलवायु तकनीकी जैसे उभरते क्षेत्रों से जोड़ना होगा। हमें अब शिक्षा को ज्यादा लचीला और बहुआयामी बनाना होगा। एनर्जी, हेल्थकेयर, मोबिलिटी, जलवायु परिवर्तन, कृषि, जल, शहरीकरण सम्बंधी 21वीं सदी की समस्याओं का समाधान किसी एक विषय के जरिए नहीं हो सकता। इसके लिए इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, डिजाइनरों, समाज-विज्ञानियों और नीति-निर्माताओं को अपने-अपने दायरों से बाहर निकलकर साथ काम करना होगा। जेन-जी और जेन-अल्फा टेक्नोलॉजी के साथ सहज हैं। यह उनकी बड़ी ताकत है। चुनौती तब आती है जब तेजी से सूचनाओं को कंज्यूम करने की आदत गहराई से सीखने और समझने के लिए जरूरी धैर्य की जगह ले लेती है। इसलिए क्लासरूम में सीखने का ऐसा माहौल भी हमें बनाना होगा, जहां छात्र गहराई से एक्सप्लोर करना भी सीखें। एआई का इस्तेमाल सीखें, लेकिन यह भी जानें कि कब इस्तेमाल नहीं करना है। तकनीक एक टूल है, जो समय के साथ बदलती रहेगी। वह इंसानी क्षमता को बढ़ा सकती है, लेकिन यह तय नहीं कर सकती कि उस क्षमता का सार्थक और जिम्मेदार इस्तेमाल क्या होगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं,प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल)

छोटे शहरों की आवाजें सुनाई देने लगी हैं हमारी कहानियों में

'शहर से दस किलोमीटर' नाम के अपने उपन्यास में नीलेश रघुवंशी ने भोपाल से कुछ दूर एक



ऐसी जिंदगी का जिक्र किया है, जो फल-फूल रही है, मुश्किलों और चुनौतियों से भरी है, लेकिन साथ ही बहुत गहरी और दार्शनिक भी है। इस कस्बे और उस शहर के बीच- जो अपनी सीमाओं के बाहर किसी और जिंदगी से बेखबर है- आने-जाने का सफर कहानी कहने वाली नैरेटर की साइकिल तय करती है। एक सूत्रधार और एक रिकॉर्ड की तरह, यह साइकिल उस जगह की आखिरी निशानियों में से एक है, जो अब शहर के एक ऐसे बे-पहचान, नव-उदारवादी और साधारण से विस्तार में बदल चुकी है, जिसे पहचानना मुश्किल है।उपन्यास में साइकिल से जुड़ी बचपन की यादें खूब उभरने लगती हैं, क्योंकि 'बचपन में छोटे-छोटे पांव बड़े-बड़े पंख होते हैं।' एक स्त्री नैरेटर हमें उन दिनों की याद दिलाती है, जब काले डंडे वाली साइकिलें थीं, न कि गुलाबी खूबसूरत दिखती लेडीज साइकिलें जो अब मिलती हैं। ऐसी कल्पना ही कहां थीं कि लड़कियां साइकिल चलाएंगी। परंतु हमारी नैरेटर तो इस तरह की जेंट्स साइकिल भी ऐसे चलाती- 'मैं धड़ल्ले से तो साइकिल चलाने लगी। कभी झुककर तो कभी तनकर, कभी सीटी बजाते हुए तो कभी लहराते हुए, कभी हैंडिल और खुद को तिरछा करते हुए, कभी एक हाथ छोड़कर, तो कभी सीट से ऊपर उठकर दोनों हाथ छोड़ते हुए। मैं साइकिल के साथ लहराने लगी।' साइकिल सिर्फ एक रोमांच नहीं, एक पोलिटिक्स भी है- एक समय और जीवन-शैली का निशान भी है, जब वह सिर्फ गरीबी या मजबूरी की प्रतीक नहीं थी। यह उपन्यास पढ़ते हुए, मैं चली गई बीते हुए दिनों में- भूतकाल जो एक टाइम भी है और स्पेस भी।मुझे पुरानी बातें याद आ गईं- अजमेर में बिताई गर्मियों की लंबी और धीमी छुट्टियां, जहां मेरी मां का मायका है। मैं हर गर्मी में वहां जाती थी और घंटों कर्नल रंजीत और राजहंस के उपन्यास पढ़ती थी, जिन्हें मैं प्रभात टॉकीज के पास एक छोटी-सी दुकान से किराए पर लेती थी। सिंधी मोहल्ले से प्रभात टॉकीज तक का रास्ता चढ़ाई वाला था और खुले नालों की बदबू से भरा होता था। लेकिन मैं खुश रहती थी, क्योंकि उसी दुकान से मुझे साइकिल भी मिल जाती थी, जहां से मैं किताबें लेती थी। पूरे दिन के लिए साइकिल का किराया एक रुपये से भी कम होता था। साइकिल चलाने और उपन्यास पढ़ने के मजे ने उन गर्मियों को खास बना दिया था। अलग-अलग जगहों पर समय का एहसास अलग- अलग होता है। यह वह समय नहीं है, जो हमारी घड़ियों में टिक-टिक करता है, बल्कि वह है, जो बैकग्राउंड में शांत और स्थिर रहता है- जैसे कोई खिड़की हो, जिससे अंदर और बाहर दोनों तरफ देखा जा सके। बड़े शहरों में समय का यह रूप देखने को नहीं मिलता। इस समय की शांति को बहुत कम लेखक पकड़ पाते हैं, लेकिन जब वे ऐसा करते हैं, तो हमें विनोद कुमार शुक्ल, सारा राय या नीलेश रघुवंशी जैसे लेखक मिलते हैं। लेकिन क्या 'बरेली की बर्फी' या 'तनु वेड्स मनु' जैसी फिल्में- जिन्हें अब छोटे शहर की फिल्में कहा जाता है- उनमें यह शांति सिनेमाई रूप से दिखाई देती है? इस सवाल का जवाब देने से पहले, कोई यह पूछ सकता है कि आखिर 'छोटा शहर' क्या है? अजमेर के साथ मेरा अनुभव शायद एक छोटे शहर जैसा ही था, और मुझे पूरा यकीन है कि आज का अजमेर मेरी इस परिभाषा को चुनौती देगा। असल में, जो न तो गांव हैं और न ही शहर, उसे अकसर छोटा शहर कहा जाता है- एक ऐसी श्रेणी जिसे 'नहीं' (यानी जो नहीं है) के आधार पर परिभाषित किया जाता है। पिछले एक-दो दशकों में हमने छोटे शहर पर आधारित फिल्मों और सीरियलों की बाढ़ देखी है। इनकी शुरुआत शायद 'बंटी और बबली' से हुई थी। आप देखिए कि बंटी न सिर्फ जगह छोड़ना चाहता है, पर वक्त की धीमी रफ्तार से भागना भी चाहता है। फुरसतगंज इस टाइम और स्पेस को साथ में किस खूबसूरती से मिलाता है, जहां से नए इंडिया के बेचैन नौजवान दूर भागना चाहते हैं। बबली पंकिनगर की है। जब हम बरेली या धनबाद या मिर्जापुर आते हैं, तो इनमें अपने अस्तित्व को बनाये रखने की बात है। छोटा शहर एक स्टेशन नहीं और न ही 'मदर इंडिया' वाला गांव है। छोटा शहर वो जगह है, जिसमें मध्यम वर्ग की नई आकांक्षाएं और ख्वाहिशें उपज रही हैं और उनसे वह जूझता है। इस जद्दोजहद को फिल्मों ने कॉमेडी के रूप में दर्शाया है, तनाव के तौर पर नहीं।

हम गोरियों के गांव और बम्बई-कलकत्ते के कालाबाजार को पीछे छोड़ आए हैं। जिन्हें गहराई चाहिए, उन्हें शहर से कुछ मील दूर जाना होगा, और वह भी साइकिल पर! छोटा शहर वो जगह है, जिसमें मध्यम वर्ग की नई आकांक्षाएं और ख्वाहिशें उपज रही हैं और उनसे वह जूझता है। इस जद्दोजहद को फिल्मों ने कॉमेडी के रूप में दर्शाया है, तनाव के तौर पर नहीं। हम गोरियों के गांव और बम्बई-कलकत्ते के कालाबाजार को पीछे छोड़ आए हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,रीटा कोठारी)

बच्चों को ऐसी दुनिया से बचाइए, जो काम से ज्यादा दिखावे को महत्व देती है

हमारे बच्चे और टीनेजर्स आज जितनी बड़ी संख्या में भावनात्मक तनावों का सामना कर रहे हैं, उनसे पार पाना मुश्किल लग सकता है। इनमें नींद की कमी, एकेडमिक प्रेशर और अकेलापन जैसी चीजें शामिल हैं।



लेकिन दुनिया में जिस समस्या का इलाज करा रहे युवाओं की संख्या बढ़ रही है, वह है- एंग्जायटी। और यही पैरेंट्स की भी सबसे बड़ी चिंता है। एंग्जायटी से जूझ रहे बच्चे अकसर चीजों से बचते हैं, अलगाव का अत्यधिक भय दिखाते हैं या चिपके रहते हैं। बार-बार पेटदर्द जैसी परेशानियों की शिकायत करते हैं, जिनका कोई स्पष्ट कारण नहीं होता। अचानक गुस्सा हो जाते हैं। आमतौर पर ऐसे बच्चे बार-बार भरोसा मांगते हैं। इस बारे में बहुत-से विशेषज्ञों की सलाह का कलेक्शन यहां पेश है। इन्टेंसिव पैरेंटिंग बंद करेंः हम 'हेलीकॉप्टर पैरेंटिंग' के दौर में जी रहे हैं, जहां पैरेंट हमेशा बच्चे पर नजर रखते हैं। संस्कृति हम पर दबाव डाल रही है कि अच्छे पैरेंट्स बच्चे के जीवन में संघर्ष आने ही नहीं देते। ऐसी पैरेंटिंग का एक कारण सुरक्षा चिंताएं भी हो सकती हैं। हाल ही में एक छोटे बच्चे के शारीरिक उत्पीड़न का वीडियो वायरल होने के बाद बेंगलुरु के ब्रूकफील्ड स्थित कैंपजैमिनी के एचएएल कैंपस की क्रेच के दो केयरगिवर्स को गिरफ्तार किया गया। लेकिन दुर्भाग्य से पैरेंट्स जितनी 'ओवर पैरेंटिंग' करते हैं, बच्चा उतना ही कम क्षमतावान हो जाता है। 3 साल का बच्चा भी कठिन कार्य कर सकता हैः मैंने देखा है कि बच्चों के लिए म्यूजिक या डांस की पहली क्लास डरावनी होती है। वे रोते हैं और मां को छोड़कर दूसरे किसी ग्रुप में जाने से इनकार करते हैं। लेकिन उन मांओं को भरोसा होता है कि बच्चा यह कर सकता है। उनमें से ज्यादातर कहती हैं कि 'अभी यह मुश्किल लग रहा है, क्योंकि तुमने पहले कभी नहीं किया। लेकिन मम्मा जानती है कि तुम कर सकते हो।' ये सुनते ही बच्चे तुरंत डांस नहीं करने लगते। बल्कि, कई हफ्तों तक क्लासरूम के दरवाजे पर खड़े रहते हैं। फिर धीरे-धीरे शांत होकर क्लास जॉइन कर लेते हैं। यही नियम तब भी लागू होता है, जब वे स्कूल जाने से मना करते हैं। भावनाएं तथ्य नहीं होतीं: जब बच्चा परेशान हो तो पैरेंट के तौर पर आपको भी परेशान नहीं होना चाहिए। जब आप प्यार से कहते हैं, 'ओह, क्या तुम्हें यह काम करने में बुरा लग रहा है' तो बच्चे की एंग्जायटी और बढ़ती है। उन्हें 'असहज और असुरक्षित' महसूस होता है, जिससे उनके मन में भावना आती है कि 'मैं यह नहीं कर सकता' या 'यह मेरे लिए नहीं है।' इसलिए हमेशा भावनाओं और तथ्यों में फर्क करने का प्रयास करें। एकेडमिक प्रेशर दुश्मन हैः बहुत से लोग मानते हैं कि किसी भी स्कूल में नंबर ही सबसे कीमती हैं। बच्चों से ज्यादा पैरेंट्स उनके नंबरों में रुचि लेते हैं और इसीलिए वे उनके होमवर्क को भी बारीकी से प्रबंधित करने लगते हैं। यदि आप होमवर्क में दखल देना बंद करें तो बच्चे ज्यादा मोटिवेटेड और एंगेज्ड महसूस करेंगे। बच्चों की पढ़ाई में पैरेंट्स को खुद ही मुख्य कर्ता-धर्ता बनने के बजाय सपोर्टिव रोल निभाना चाहिए। अकेलापन बड़ी समस्या हैः खराब मानसिक स्वास्थ्य का मुख्य कारण यही है। बच्चों के दोस्तों को घर बुलाकर इससे निपटने में उनकी मदद करें। स्क्रीन से कनेक्ट होने के बजाय उन्हें दोस्तों से जुड़ने दें। चूंकि बच्चों को ऊर्जा खर्च करने की जरूरत होती है, इसलिए उन्हें स्पोर्ट्स, क्लाइम्बिंग, टहलने, मार्शल आर्ट्स, डांस, साइकिलिंग और एक्सरसाइज के लिए प्रेरित करें। स्क्रीन कभी ऐसे अनुभव नहीं दे सकती। ये तनाव घटाने, साहस विकसित करने और असहजता को सहन कर सकने के शारीरिक तरीके हैं। आप देखेंगे कि उनकी काबिलियत बढ़ रही है। उनसे लगातार बात करते रहिए। मसलन, कॉलोनी के आसपास टहलते हुए उन्हें बताइए कि आपके बचपन में इस इलाके में कितने पेड़ होते थे। कैसे आप उन पर चढ़ते थे और उनके नाम क्या थे।उन्हें अपने बचपन के किस्से भी सुनाएं। फंडा यह है कि अपने बच्चों को ऐसी दुनिया से बचाइए, जो काम से ज्यादा दिखावे को महत्व देती है। उन्हें कन्ज्यूमिंग, स्क्रॉलिंग या सिर्फ सफलता की बातें करने के बजाय कुछ करने, बनाने और समस्याएं सुलझाने का महत्व बताइए। भविष्य में महज देखने या बातचीत करने वालों की तुलना में हमेशा वो लोग आगे रहेंगे, जो कुछ करते हैं। एन. रघुरामन

बच्चे को अकेला ही कर रही परफेक्ट जिंदगी देने की जिद,भाई-बहन न होने से अहम बातें साझा नहीं होतीं, रूठने-मनाने में भी कमजोर

द न्यू यॉर्क टाइम्स। पैरेंटिंग को लेकर दुनियाभर में लोगों का नजरिया तेजी से बदल रहा है। दंपती अब एक ही बच्चा चाहते हैं। उन्हें लगता है कि एक बच्चा



होगा तो वे उसे हर खुशी, बढ़िया पढ़ाई और ऐशो-आराम दे पाएंगे। लेकिन कभी सोचा है कि ऐसा करके बच्चों को ऐसे एकांत की तरफ धकेल रहे हैं, जहां उनके पास दिल की बात साझा करने के लिए भाई या बहन ही नहीं है...? अमेरिका से लेकर यूरोप तक इकलौते बच्चे वाले परिवारों की तादाद दोगुनी हो चुकी है। प्रजनन दर रिकॉर्ड स्तर पर गिर चुकी है। पर इस 'क्वालिटी पैरेंटिंग' के फेर में सबसे खूबसूरत चीज घरों से ओझल हो गई है...भाई-बहनों की प्यारी नोकझोंक, तकिए की लड़ाई और एक-दूसरे का साथ। एक्सपर्ट इसे 'सिबलिंग स्कूल' का गुम हो जाना बताते हैं। अमेरिका में हुई स्टडी में पांच या अधिक बच्चों वाली माताओं ने बताया- एक बच्चे की तुलना में पांच बच्चों की परवरिश



आसान है, क्योंकि उनमें अच्छे संस्कार और चरित्र का विकास सहज रूप से हो जाता है।इस स्टडी का नेतृत्व चर्चित अमेरिकी अर्थशास्त्री डॉ. कैथरीन पकालुक ने किया। वे कहती हैं,'इसकी वजह दिलचस्प है- घर में एक से ज्यादा बच्चे होते हैं, तो वे स्वाभाविक रूप से शेयरिंग व केयरिंग सीख जाते हैं। खिलौने साझा करना, रिमोट के लिए झगड़ना और फिर खुद ही मान जाना उनकी आदत बन जाती है। बड़े भाई-बहन खेल-खेल में छोटे बच्चों की देखभाल जैसे- डायपर बदलना, सुलाना और संभालना सीखते हैं। यही माहौल उन्हें सहज रूप से जिम्मेदार, धैर्यवान और दूसरों की परवाह करने वाला इंसान बना देता है। बच्चों का आपसी प्यार थेरेपी से असरदारः-एकल बच्चों में तनाव, एंग्जायटी और डिप्रेशन बढ़ रहा है। इसके लिए स्मार्टफोन व सोशल मीडिया को दोष देते हैं, पर असल वजह उनके 'कमरों का सन्नाटा' है। लॉस एंजेलिस की महिला बताती हैं कि उनका बेटा तनाव से जूझ रहा था, दवाइयां असर नहीं कर रही थीं। छोटी बहन के जन्म के बाद, उसे गोद में लेने से ही उसकी एंग्जायटी खत्म हो गई।' एक्सपर्ट कहते हैं,'छोटे बच्चे का बिना शर्त प्यार कई बार थेरेपी से ज्यादा मददगार व असरदार होता है।' बच्चे ही एक-दूसरे को बेहतर तरीके से गढ़ते हैंः एक्सपर्ट डॉ. कैथरीन कहती हैं,'आजकल पैरेंट्स बच्चों को सामाजिक बनाने के लिए समर कैंप, स्पोर्ट्स क्लब व एक्टिविटी पर लाखों खर्च करते हैं, जबकि यह सब कुछ भरा-पूरा परिवार बच्चों को घर में ही मुफ्त सिखा देता था। बचपन के शुरुआती 2-3 साल मुश्किल जरूर होते हैं, पर जीवनभर संबल देने वाला भाई-बहन का रिश्ता अमूल्य है। पैरेंट्स कितने भी संसाधन जुटा लें, वे भाई-बहन की कमी पूरी नहीं कर सकते। बड़े परिवारों में बच्चों को संस्कार व व्यावहारिक सीख सहज रूप से मिलते हैं, जैसे बगीचे में पेड़-पौधे एक-दूसरे की छांव में बढ़ते हैं। शुरुआती कठिन वर्षों से घबराएं नहीं, क्योंकि बच्चे ही एक-दूसरे को सबसे बेहतर तरीके से गढ़ते हैं।

न्यूयॉर्क में 96 साल पुरानी इमारत ढही, 8 की मौत,बगल के प्लॉट में खुदाई चल रही थी

वॉशिंगटन डीसी। न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में बुधवार को 96 साल पुरानी तीन मंजिला इमारत ढह गई।



हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हैं। घायलों में 7 बच्चे भी शामिल हैं। कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका हैं। हादसे के बाद करीब 250 राहतकर्मी बचाव अभियान में जुटे हैं। बचावकर्मियों ने मलबे से एक गर्भवती महिला और एक बच्चे को भी सुरक्षित बाहर निकाला। हादसा ब्रुकलिन के फ्लैटबुश इलाके में हुआ। गिरने वाली इमारत के ठीक बगल वाले प्लॉट में निर्माण कार्य चल रहा था। वहां पहले एक पुरानी इमारत को तोड़ा गया था और नई इमारत बनाने के लिए जमीन की गहरी खुदाई की जा रही थी। इसी दौरान पास की तीन मंजिला इमारत अचानक ढह गई। अप्रैल में नियम तोड़ने का मामला सामने आया था:- स्थानीय न्यूज चैनल के मुताबिक न्यूयॉर्क के बिल्डिंग डिपार्टमेंट के रिकॉर्ड में इसी निर्माण स्थल पर अप्रैल में नियमों के उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। आरोप था कि काम रोकने का आदेश मिलने के बावजूद वहां निर्माण कार्य जारी रखा गया। यह वही जगह थी, जिसके बगल में तीन मंजिला इमारत ढही। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक पुराने उल्लंघन और इस हादसे के बीच किसी सीधे संबंध की पुष्टि नहीं की है। खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद से लोगों की तलाश जारी:- हादसे के बाद दमकल विभाग की करीब 250 लोगों की टीम बचाव अभियान में लगाई गई। दमकलकर्मियों ने मलबे में फंसे लोगों को खोजने के लिए खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद ली। शाम करीब 6:30 बजे बचावकर्मियों को मलबे में बने एक गड्ढे से एक व्यक्ति जिंदा मिला। दमकलकर्मियों ने उसे एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों के मुताबिक, अभी यह पता नहीं है कि कुल कितने लोग लापता हैं। दमकल विभाग की प्रमुख लिलियन बोनसिग्नोर ने बताया कि दूसरी इमारत गिरने का खतरा भी है। इसलिए बचाव अभियान में काफी सावधानी बरती जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, अभियान कई दिनों तक चल सकता है।हादसे के बाद आसपास की इमारतों की जांच शुरू:- हादसे के बाद न्यूयॉर्क के बिल्डिंग डिपार्टमेंट के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आसपास की इमारतों की जांच शुरू की। हादसे में बगल की इमारत की एक दीवार पूरी तरह टूट गई थी। प्रशासन ने प्रभावित लोगों की मदद के लिए सहायता केंद्र भी बनाया है। मेयर जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया पर कहा कि राहत और बचाव अभियान जारी है। उन्होंने हादसे से प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों के प्रति संवेदना जताई।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति की जासूसी करने की कोशिश,पूर्व राष्ट्रपति के करीबी लोग गिरफ्तार

जकार्ता। इंडोनेशिया में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का फोन टैप करके जासूसी की कोशिश की गई है। इस मामले में पूर्व पुलिस प्रमुख लिस्त्यो सिगित समेत तीन वरिष्ठ अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। ये लोग पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो यानी जोकोवी के करीबी माने जाते हैं। इसी बीच गुरुवार को जोकोवी के बेटे और उपराष्ट्रपति गिब्रान राकाबुमिंग राका ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनकी पढ़ाई से जुड़े दस्तावेजों पर सवाल उठ रहे थे। गिब्रान के खिलाफ महाभियोग चलाने की तैयारी भी शुरू हो गई थी। बड़े नेता और अधिकारियों की भी जासूसी हो रही थी:- इंडोनेशिया के पुलिस प्रमुख जनरल सुयुडी आरियो सेटो ने संसद में बताया कि राष्ट्रपति के अलावा कई बड़े नेताओं, सरकारी अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के फोन और बातचीत की भी गैरकानूनी तरीके से निगरानी की गई थी। पुलिस का आरोप है कि राष्ट्रपति की फोन बातचीत की रिकॉर्डिंग मिटाने की कोशिश भी हुई। जासूसी 2025 से 2026 के बीच हुई। उस समय लिस्त्यो देश के पुलिस प्रमुख थे। जांच में यह भी पता चला है कि पुलिस के कानूनी विभाग के प्रमुख अहरी सोना नसुतियोन ने अक्टूबर में राष्ट्रपति की फोन बातचीत की रिकॉर्डिंग मिटाने की इजाजत मांगी थी। आरोप है कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्लामेत उलियांडी ने इसकी मंजूरी दी और रिकॉर्डिंग हटा दी। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं है कि जोकोवी राष्ट्रपति की जासूसी कराने में शामिल थे या नहीं। वह इस मामले में वे फिलहाल आरोपी भी नहीं हैं। जासूसी मामले के बाद राजधानी में 20 हजार सैनिक तैनात:- मामले के सामने आने के बाद सरकार ने राजधानी जकार्ता में एहतियात के तौर पर 20 हजार सैनिकों को तैनात करने का आदेश दिया है।ज्यादातर सैनिकों को बैरकों में ही रखा गया है और सड़कों पर सेना की बड़ी मौजूदगी नहीं है।इंडोनेशिया में सेना और पुलिस के बीच पहले से तनाव रहा है। 1999 में पुलिस को सेना से अलग किया गया था। इसके बाद दोनों के बीच कई बार हिंसक झड़पें हो चुकी हैं। जोकोवी के कार्यकाल में पुलिस का प्रभाव ज्यादा था, जबकि प्रबोवो सेना के पूर्व जनरल रह चुके हैं। ऐसे में दोनों नेताओं के बीच बढ़ता विवाद सेना और पुलिस के बीच तनाव को भी बढ़ा सकता है। उपराष्ट्रपति के इस्तीफे से राजनीतिक संकट बढ़ा:- इंडोनेशिया की सुप्रीम कोर्ट ने 30 अक्टूबर को कहा था कि गिब्रान ने हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी किए बिना यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया था। इसके बाद संसद के 120 से ज्यादा सदस्यों ने उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग की।



गिब्रान ने जांच के बीच इस्तीफे की पेशकश की। यह मामला राष्ट्रपति की जासूसी से अलग है, लेकिन इससे प्रबोवो और जोकोवी के बीच राजनीतिक दूरी बढ़ गई।

गिब्रान का उपराष्ट्रपति बनना जोकोवी और मौजूदा राष्ट्रपति प्रबोवो के बीच हुए राजनीतिक समझौते का हिस्सा था।

जनता चाहेगी तो फिर बांग्लादेश की सत्ता संभालूंगी,जान की परवाह नहीं- देश में हिंदू,ईसाई सुरक्षित नहीं- हसीना

ढाका/नयी दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शुक्रवार को कहा है कि अगर जनता चाहेगी तो वे एक बार फिर बांग्लादेश की सत्ता संभालने के लिए तैयार हैं। न्यूज एजेंसी आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में हसीना ने कहा कि दिसंबर 2026 में वे बांग्लादेश लौटेंगी। उन्हें गिरफ्तारी या मौत की सजा का डर नहीं है:- हसीना ने बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदाय पर हुए हमलों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं और मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। शेख हसीना से उनके प्रत्यर्पण के मामले पर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि भारत आजाद देश है। सरकार अपने कानून और प्रक्रिया के हिसाब से फैसला करेगी। मुझे उम्मीद है कि मेरा मामला दोनों देशों के रिश्तों में रुकावट नहीं बनेगा। तारिक रहमान सरकार कई बार हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर चुकी है। भारत ने प्रत्यर्पण की मांग मिलने की पुष्टि भी की है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि इस मामले की जांच तय कानूनी प्रक्रिया के तहत की जा रही है। देश लौटने की बात दोहराई, बोलीं- जान की परवाह नहीं:- पूर्व पीएम हसीना से मौत की सजा और गिरफ्तारी को लेकर सवाल किया गया। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि लौटते ही गिरफ्तार किया जा सकता है, जेल भेजा जा सकता है या मेरी जान भी ली जा सकती है। लेकिन मैं डरकर पीछे हटने वालों में से नहीं हूं। 1981 में भी मैं सैन्य शासन के बावजूद बांग्लादेश लौटी थी। 2007 में गिरफ्तारी का खतरा जानते हुए भी वापस आई थी।



आज मेरे देश के लोग मुश्किल में हैं। ऐसे में मैं उनसे दूर नहीं रह सकती। मैं अपने लोगों के बीच रहना चाहती हूं, चाहे इसके लिए मुझे अपनी जान ही क्यों न गंवानी पड़े। छात्र आंदोलन के दौरान हुई मौतों के लिए हसीना को मौत की सजा सुनाई गई है। इस पर हसीना ने कहा कि मैंने कभी किसी निर्दोष को मारने का आदेश नहीं दिया। प्रधानमंत्री रहते हुए लोगों की जान बचाना मेरी जिम्मेदारी थी। मैं न्यायाधिकरण की कार्रवाई और फैसले को नहीं मानती। मुझे अपना बचाव करने का निष्पक्ष मौका नहीं मिला। मैं इस फैसले को चुनौती देने के लिए कानूनी रास्ते तलाशूंगी। दरअसल बांग्लादेश में 2024 में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ छात्र आंदोलन शुरू हुआ था। वहां सरकारी नौकरियों में 1971 के मुक्ति संग्राम में लड़ने वालों के परिवारों के लिए 30फीसदी तक सीटें आरक्षित थीं। छात्रों का कहना था कि इससे आम युवाओं के लिए सरकारी नौकरी पाने के मौके कम हो रहे हैं। वे चाहते थे कि भर्ती में परीक्षा और योग्यता के आधार पर ज्यादा नौकरियां मिलें। इसी मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन धीरे-धीरे सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में बदल गया। सरकार की कार्रवाई में बड़ी संख्या में लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र के आकलन के मुताबिक, जुलाई और अगस्त 2024 के दौरान करीब 1,400 लोगों की मौत हुई थी। चीन के साथ लड़ाकू विमान खरीदने की डील पर हसीना ने कहा कि, बांग्लादेश को अपनी सेना को आधुनिक बनाने का पूरा अधिकार है। हमारी सरकार ने भी सेना के आधुनिकीकरण पर काम किया था और चीन समेत कई देशों के साथ सहयोग किया था। लेकिन इतनी बड़ी खरीद से पहले कुछ बातें देखनी जरूरी हैं। क्या देश को इन विमानों की जरूरत है? क्या वह इनका खर्च उठा सकता है? क्या सौदा पारदर्शी तरीके से हुआ है? और इसका दूसरे देशों पर क्या असर पड़ेगा? भारत हमारा पड़ोसी है और चीन रक्षा व विकास में अहम साझेदार है। बांग्लादेश को सभी देशों से अच्छे रिश्ते रखने चाहिए। उसे बड़ी ताकतों की आपसी खींचतान का मैदान नहीं बनना चाहिए।

ईरान पर हमले के लिए नेतन्याहू मना रहे ट्रम्प को,मोसाद-चीफ को सीआईए प्रमुख से मिलने भेजा

तेल अवीव/वॉशिंगटन डीसी। इजराइल के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ईरान पर फिर से हमला करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को मनाने की कोशिश कर रहे हैं। एक्सियोस और यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख रोमन गोफमैन को अमेरिका भेजा हैं। गोफमैन शुक्रवार को वॉशिंगटन पहुंचे। वहां वे अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के चीफ जॉन रैटक्लिफ से मिलेंगे। इसके बाद वे मियामी जाकर ट्रम्प के खास दूत स्टीव विटकॉफ से भी मुलाकात करेंगे। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू पिछले कुछ दिनों से ट्रम्प को रोज फोन कर रहे हैं। दोनों नेताओं के बीच 5 नवंबर को भी ईरान पर हमले को लेकर बात हुई थी। हालांकि, ट्रम्प फिलहाल नेतन्याहू की मांग मानने को तैयार नहीं हैं। अमेरिका फिलहाल ईरान पर बड़ा हमला करने के बजाय उस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना चाहता है। इसके लिए वह समुद्र में ईरान की नाकेबंदी जारी रखेगा, ताकि उसकी कमाई और कारोबार पर असर पड़े। इसमें सऊदी अरब, कतर, यूएई, कुवैत और बहरीन जैसे खाड़ी देश भी अमेरिका का साथ दे रहे हैं। ट्रम्प ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ कार्रवाई रोक सकता है, लेकिन उसके सहयोगी देश अभी ऐसा नहीं चाहते। ट्रम्प के मुताबिक, सऊदी अरब ने उनसे कुछ समय तक यही स्थिति बनाए रखने को कहा है। सऊदी अरब का मानना है कि ईरान अब कमजोर पड़ रहा है। दूसरे खाड़ी देश भी चाहते हैं कि अमेरिका अभी कोई जल्दबाजी न करे। इजराइल में 27 अक्टूबर को हुए चुनाव के बाद नेतन्याहू संसद में अपना बहुमत गंवा चुके हैं। विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी मिली है। हालांकि, वे सरकार बना पाएंगे या नहीं, यह अभी साफ नहीं है। इसी बीच इजराइली विपक्ष को आशंका है कि नेतन्याहू ईरान पर हमला कर सकते हैं या ईरान को इजराइल पर हमला करने के लिए उकसा सकते हैं। विपक्षी नेताओं को डर है कि ऐसा करके नेतन्याहू नई सरकार बनाने की कोशिशों को कमजोर करना चाहते हैं। अगर आइजनकोट सरकार बनाने में सफल रहे, तो नेतन्याहू की सत्ता खत्म हो जाएगी। गुरुवार को नेतन्याहू ने आइजनकोट के साथ करीब दो घंटे बैठक की थी। इस दौरान उन्हें ईरान के हालात की जानकारी दी गई। आइजनकोट का मानना है कि फिलहाल ईरान पर तुरंत सैन्य कार्रवाई करने की जरूरत नहीं है। क्या चुनाव हारने के बाद भी नेतन्याहू के पास जंग का अधिकार है? इजराइल के कानून के मुताबिक, कार्यवाहक सरकार के पास चुनी हुई सरकार जितनी ही ताकत होती है। हालांकि, इजराइल के सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सत्ता छोड़ने वाली सरकार को ऐसे बड़े फैसले नहीं लेने चाहिए, जिन्हें बाद में बदला न जा सके। हालांकि, इजराइल में पहले भी कार्यवाहक सरकारें सैन्य कार्रवाई कर चुकी हैं। 2021 में नेतन्याहू ने गाजा पर हमला किया था: मई में नई सरकार बनाने को लेकर बातचीत चल रही थी। इसी दौरान इजराइल ने उनके नेतृत्व में गाजा पर 11 दिन तक सैन्य अभियान चलाया। इसमें 260 फिलिस्तीनियों और 13 इजराइलियों समेत कुल 273 लोगों की मौत हुई थी। फिर नेतन्याहू की सत्ता नहीं बची: हमले के अगले महीने जून में नफ्ताली बेनेट और यायर लैपिड के नेतृत्व में नई सरकार बनी। इसके साथ ही नेतन्याहू के 12 साल के प्रधानमंत्री कार्यकाल का अंत हो गया।दूसरे प्रधानमंत्रियों ने भी की सैन्य कार्रवाई: नेतन्याहू से पहले एहुद ओलमर्ट और यायर लैपिड भी कार्यवाहक सरकार के दौरान गाजा में सैन्य अभियान चला चुके हैं। ओलमर्ट के कार्यकाल में 2008 में हुए हमले में करीब 1,400 फिलिस्तीनी मारे गए थे:-नेतन्याहू ने सेना को हमले की तैयारी बढ़ाने को कहा-इजराइल के सरकारी चैनल कान के मुताबिक, 11 नवंबर को नेतन्याहू की अध्यक्षता में सुरक्षा कैबिनेट की बैठक हुई थी। इसमें सेना को ईरान पर संभावित हमले की तैयारी तेज करने के निर्देश दिए गए थे। कान ने एक अमेरिकी सैन्य अधिकारी के हवाले से बताया कि वॉशिंगटन ने इजराइल को संभावित टकराव के लिए तैयार रहने को कहा है। हालांकि, अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने अलजजीरा से कहा कि ये बातें सिर्फ अटकलें हैं। वहीं, इजराइली चैनल 13 के मुताबिक, सेना के अधिकारियों का मानना है कि ईरान पर तुरंत हमला करने की जरूरत नहीं है। 11 नवंबर की बैठक में नेतन्याहू और अगली सरकार बनाने की कोशिश कर रहे विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को भी सेना की यह राय बताई गई थी।



ट्रम्प ने एनवीडिया चीफ से कहा था-नौकरी के लिए लड़ो,चीनी जासूस से रिश्ते के चलते कल ही पद छोड़ा

वॉशिंगटन डीसी। राष्ट्रपति ट्रम्प ने 10 नवंबर को एनवीडिया के सीईओ जेन्सन हुआंग को फोन किया था। उन्होंने हुआंग से नौकरी बचाने के लिए लड़ाई जारी रखने को कहा था। इस मामले से जुड़े दो लोगों ने यह जानकारी दी है। यह पहली बार नहीं था, जब ट्रम्प ने हुआंग का बचाव किया। हुआंग उनके करीबी बन चुके थे। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को पता चल चुका था कि हुआंग के एक ऐसी महिला के साथ संबंध हैं, जिस पर चीनी जासूस होने का शक है। इसके बावजूद ट्रम्प आखिरी समय तक उनका साथ देते रहे। दरअसल, ट्रम्प को डर था कि हुआंग के पद छोड़ने से एनवीडिया बर्बाद हो सकती है। इसके बावजूद हुआंग को 12 नवंबर को इस्तीफा देना पड़ा। एनवीडिया चीफ का चीनी महिला एलिस हुआंग के साथ अफेयर है, इसकी जानकारी ट्रम्प को कम से कम दो बार दी गई थी। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना था कि चीन के खुफिया मंत्रालय ने उसे अपने लिए काम करने के लिए तैयार किया था। ट्रम्प को पहली बार पिछले साल के आखिर में इस बारे में बताया गया था। दूसरी बार जून में चेतावनी दी गई। लेकिन ट्रम्प ने दोनों बार कोई कदम नहीं उठाया। मई में वे हुआंग को अपने साथ चीन भी ले गए। पिछले कुछ दिनों में ट्रम्प ने कई बार सार्वजनिक रूप से हुआंग की तारीफ की और उनके प्रति सहानुभूति जताई। गुरुवार को सोशल मीडिया पर उन्होंने हुआंग को 'दिग्गज' बताया था। ट्रम्प के करीबियों का कहना है कि जब राष्ट्रपति को खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के बारे में बताया गया, तब उन्होंने देश की सुरक्षा पर इसके खतरे को ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया। उनके एक सहयोगी के मुताबिक, ट्रम्प ने इस पूरे मामले को सिर्फ शादी के बाहर रहने वाले नाजायज संबंधों के तौर पर देखा। उन्हें नहीं लगा कि हुआंग के इस मामले से अमेरिका की सुरक्षा को कोई खतरा हो सकता है।ट्रम्प के सहयोगियों का कहना है कि राष्ट्रपति एनवीडिया को ऐसी कंपनी मानते थे, जिसे किसी भी कीमत पर डूबने नहीं दिया जा सकता। एनवीडिया दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। दुनिया की अर्थव्यवस्था में इसकी बड़ी भूमिका है। चीन को पीछे छोड़कर एआई के क्षेत्र में अमेरिका को सबसे आगे रखना है। ट्रम्प का सपना भी इसी कंपनी पर काफी हद तक निर्भर था। ट्रम्प हुआंग को क्यों बचाना चाहते थे? ट्रम्प के एक सलाहकार ने बताया कि राष्ट्रपति ने इस पूरे मामले को जिस तरह संभाला, उसके पीछे कई वजहें थीं। सबसे बड़ी वजह यह थी कि ट्रम्प ने हुआंग पर बहुत भरोसा कर लिया था। वे उन्हें आज के दौर का हेनरी फोर्ड मानते थे। हेनरी फोर्ड ने अमेरिका में कार बनाने के उद्योग को नई पहचान दी थी। ट्रम्प को लगता था कि हुआंग भी ऐसी तकनीक पर काम कर रहे हैं, जो आने वाले कई दशकों तक दुनिया की दिशा तय करेगी। ट्रम्प का मानना था कि एनवीडिया की सफलता का असर अमेरिका की अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार पर भी पड़ता है। जब खबर आई कि कंपनी का बोर्ड हुआंग को सीईओ पद से हटाने पर विचार कर रहा है, तो ट्रम्प ने अपने करीबियों से पूछा कि इसका शेयर बाजार पर क्या असर होगा। उन्हें डर था कि हुआंग के हटने से बाजार में बड़ी गिरावट आ सकती है। पहले ट्रम्प को पता भी नहीं था कि एनवीडिया क्या है:-बाइडेन सरकार ने जब अमेरिकी चिप दूसरे देशों को बेचने पर सख्त पाबंदियां लगाईं, तब हुआंग को वॉशिंगटन की राजनीति पर ध्यान देना पड़ा। इसके बाद भी वे दूसरी टेक कंपनियों के मालिकों की तरह राजनीति में ज्यादा सक्रिय नहीं हुए। यहां तक कि वे ट्रम्प के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल नहीं हुए थे। ट्रम्प अक्सर अपने करीबियों को बताते थे कि उन्होंने पहली बार हुआंग का नाम कैसे सुना था। वे कहते थे, 'यह कौन है? इसका नाम क्या है?' जब उन्हें बताया गया कि वह एनवीडिया के जेन्सन हुआंग हैं, तो उन्होंने पूछा था, 'ये एनवीडिया क्या है?' 2024 के आखिर तक ट्रम्प समझ चुके थे कि हुआंग एनवीडिया के सबसे अहम व्यक्ति हैं। यह कंपनी दुनिया के सबसे एडवांस एआई मॉडल बनाने में इस्तेमाल होने वाले चिप का कम से कम 80% बाजार अपने पास रखती थी। दूसरी तरफ, हुआंग ने भी ट्रम्प के करीब आने का मौका देखा। उन्हें पता था कि ट्रम्प व्यक्तिगत तौर पर ध्यान देने और उनकी तारीफ करने वालों को पसंद करते हैं। पत्नी के साथ ट्रम्प के रिसोर्ट पर गए थे जेन्सन:-अप्रैल 2025 में हुआंग अपनी पत्नी लॉरी के साथ फ्लोरिडा के मार-ए-लागो पहुंचे थे। वहां ट्रम्प ने टेक्नोलॉजी और क्रिप्टोकरेंसी के बड़े निवेशकों के लिए डिनर रखा था। इस कार्यक्रम में हुआंग भी शामिल हुए। उस मुलाकात के बाद ट्रम्प की उनमें दिलचस्पी बढ़ गई। उस समय ट्रम्प से बात करने वाले लोगों के मुताबिक, राष्ट्रपति को एनवीडिया के बारे में जितना बताया गया, वे उतने ही प्रभावित होते गए। उन्हें बार-बार बताया गया कि एआई के क्षेत्र में हो रही तरक्की काफी हद तक एनवीडिया के चिप पर निर्भर है। बाद में ट्रम्प ने हुआंग से कहा था, 'जेन्सन, तुम दुनिया पर कब्जा कर रहे हो।' ट्रम्प को दूसरे कार्यकाल में एआई के जरिए अमेरिका में नए उद्योग और नौकरियां बढ़ाने का रास्ता दिखा। एआई के लिए बड़े-बड़े डेटा सेंटर बनाए जा रहे थे। इन्हें चलाने के लिए भारी मात्रा में बिजली की जरूरत थी। ट्रम्प को उम्मीद थी कि डेटा सेंटर बनाने और चलाने के लिए मशीनें, बिजली के उपकरण और दूसरी चीजें बनाने वाली अमेरिकी फैक्ट्रियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग यानी सामान बनाने का काम बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्हें लगता था कि एआई अमेरिका को चीन से आगे रखने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। इसी वजह से वे एआई कंपनियों के प्रमुखों को देश के सबसे अहम कारोबारियों में गिनने लगे थे। इनमें जेनसन हुआंग सबसे आगे थे। हुआंग चाहते थे कि एनवीडिया अपनी चिप ज्यादा से ज्यादा देशों को बेचे। उनका मानना था कि अगर दूसरे देश एआई के लिए अमेरिकी चिप का इस्तेमाल करेंगे, तो वे चीन की तकनीक के बजाय अमेरिका की तकनीक पर निर्भर रहेंगे। व्हाइट हाउस में एआई और क्रिप्टो से जुड़े मामलों के प्रमुख डेविड सैक्स ने भी हुआंग का समर्थन किया। दोनों ने मिलकर ट्रम्प को चीन को कुछ खास तरह की चिप बेचने की इजाजत देने के लिए राजी किया। यह फैसला ट्रम्प के समर्थकों को पसंद नहीं था। इसके बावजूद ट्रम्प ने हुआंग और दूसरी बड़ी टेक कंपनियों के कारोबारियों की बात मानी। इनमें ओपन एआई, मेटा और स्पेस एक्स जैसी कंपनियां भी शामिल थीं। ट्रम्प ने एनवीडिया को चीन में अपनी कुछ खास चिप बेचने की इजाजत दी। इसके बदले अमेरिकी सरकार ने कंपनी की इस बिक्री से होने वाली कमाई का पहले 15फीसदी और बाद में 25फीसदी हिस्सा लेने की व्यवस्था की। इस फैसले पर कई लोगों ने सवाल उठाए। कुछ ने इसे कानूनी तौर पर गलत बताया, तो कुछ ने कहा कि इससे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। अमेरिकी प्रशासन के कुछ अधिकारी भी हैरान थे कि हुआंग का ट्रम्प पर इतना प्रभाव कैसे हो गया।



आने वाले 3 साल में एआई इंसानों को मिटा सकता है,नोबेल विजेता हिंटन की चेतावनी-वह खुद फैसले लेने लगेगा

डबलिन। एआई के 'गॉडफादर' कहे जाने वाले नोबेल पुरस्कार विजेता जेफ्री हिंटन ने एआई को लेकर बड़ी चेतावनी दी है। उनका कहना है कि अगले 3 साल में एआई इंसानों को खत्म कर सकता है और दुनिया पर कब्जा कर सकता है। उन्होंने कहा:- 'मैं पहले कहता था कि एआई 10 साल में हमसे ज्यादा स्मार्ट हो जाएगा, लेकिन अब यह 18 महीने में हो सकता है। यह डराने वाली बात है।' एआई सुरक्षा विशेषज्ञ और एलाइनमेंट रिसर्च सेंटर के संस्थापक पॉल क्रिस्टियानो ने कहा कि अगले 6 से 12 महीने में ही एआई से ऐसी घटनाएं हो सकती हैं, जिनमें इंसानों का उस पर कंट्रोल खत्म हो जाए। क्रिस्टियानो के मुताबिक, अगले एक साल में एआई पर से इंसानों का हमेशा के लिए कंट्रोल खत्म होने की आशंका 4फीसदी है। वहीं, अगले 3 साल में यह खतरा बढ़कर 15फीसदी हो सकता है। उनका कहना है कि एआई का टेकओवर फिल्मों की तरह रोबोटों का हमला करना नहीं, बल्कि खुद फैसले लेकर इंसानों को अपने रास्ते की रुकावट समझना और सरकारों, कंपनियों व जरूरी सिस्टम पर कंट्रोल करना है। ऐसी स्थिति में इंसानों की आजादी और खुद फैसले लेने का अधिकार भी खत्म हो सकता है। विशेषज्ञों को डर है कि एआई भविष्य में खुद नए हथियार बना सकता है। वह ड्रोन और रोबोट की मदद से जरूरी ठिकानों पर कब्जा करने की कोशिश कर सकता है। एआई का इस्तेमाल खतरनाक जैविक हथियार बनाने में भी हो सकता है। क्रिस्टियानो के मुताबिक, अगर एआई अपने फैसले खुद लेने लगा और इंसानों को अपने काम में रुकावट समझने लगा, तो उसे रोकना मुश्किल हो जाएगा। सवाल-1: एआई की दुनिया में ऐसा क्या चल रहा, जिससे सभी डरे हुए हैं? जवाब: ऐसी आशंकाओं के पीछे दो बड़े आधार हैं-1. एआई अब सुपरइंटेलिजेंट बन रहा है-एआई को इंसानों ने बनाया और वही इसे सुधारते रहे हैं। लेकिन अब एआई खुद को लगातार बेहतर बनाने में जुट गया है। वो अपनी कमियां पकड़ता है और उन्हें सुधारता है। यानी इंसानों की जरूरत घटती जा रही है। नए एआई मॉडल अपनी सोच और तर्क को छिपाने में बेहतर हो रहे हैं। इससे उन पर नजर रखना मुश्किल होता जा रहा है। पहले एआई से सवाल पूछो और वो जवाब देता था। लेकिन अब एआई एजेंट से कहा जा सकता है कि इस समस्या को हल करो। वो खुद इंटरनेट और कंप्यूटर टूल्स का इस्तेमाल करता है, फैसले लेता है और समस्या को सुलझाता है। चाहे घंटों लग जाएं। हाल ही में 10,000 एआई एजेंट्स ने 90 साल पुरानी Navier-Stokes गणित समस्या को सिर्फ 88 घंटे में सुलझा दिया। 2. इंसानों को चकमा देने लगा है एआई-ओपन एआई के मुताबिक, जुलाई 2026 में टेस्ट के दौरान उसके दो एआई मॉडल जानबूझकर टेस्टिंग से निकल भागे और चोरी की लॉगिन डिटेल्स का इस्तेमाल कर एआई कंपनी प्लुहु ईम के सर्वर तक पहुंच गए। वो भी बिना किसी इंसानी दखल के। एंथ्रोपिक के टेस्ट में मॉडल क्लॉड ओपस 4 ने खुद को बंद होने से बचाने के लिए एक अधिकारी के निजी अफेयर की जानकारी लीक करने की धमकी दी। यह टेस्ट ओपनएआई, गूगल,मेटा समेत 16 बड़े मॉडल्स पर दोहराया गया और ज्यादातर मॉडल्स ने मौका मिलने पर ऐसा ही बर्ताव किया। सवाल-2: तो क्या एआई को कंट्रोल नहीं किया जा सकता? जवाब: कोशिशें हो रही हैं, लेकिन अभी इन्हें पूरी तरह भरोसेमंद नहीं माना जा सकता। कंपनियां खुद सुरक्षा नियम बना रही हैं: एंथ्रोपिक और ओपनएआई ने खतरनाक एआई क्षमताओं के लिए अपने-अपने सुरक्षा नियम बनाए हैं। लेकिन इन नियमों को कंपनियां खुद तय और बदल सकती हैं। यही सबसे बड़ी चिंता है। सरकारें भी नियम बनाने लगी हैं: अमेरिका और भारत में एआई को लेकर नए नियम और गाइडलाइंस पर काम हो रहा है। लेकिन अभी दुनिया भर में एआई के लिए एक जैसे सख्त नियम नहीं हैं। सवाल-3: एआई अगले कुछ सालों में हमारी जिंदगी कैसे बदल सकता है? जवाब: डारियो अमोदेई का दावा है कि अगले 1 से 5 साल में एआई की वजह से एंट्री लेवल की आधी नौकरियां खत्म हो जाएंगी। अगले 5 सालों में दुनिया में बेरोजगारी दर 20फीसदी तक पहुंच जाएगी। हालांकि, न्यूरैं के सीईओ जेन्सेन हुआंग का कहना है कि एआई से नए तरह के काम और नौकरियां भी पैदा होंगी। वहीं, भारत में हुए एआई समिट के दौरान डारियो अमोदेई ने दावा किया था, 'जिन बीमारियों का इलाज सालों से नहीं मिला, एआई उसका इलाज ढूंढने में काबिल है।



हसीना की वापसी के लिए भारत ने रखीं 2 शर्तें,बांग्लादेश की सेना उन्हें भारत से लेकर जाए, निष्पक्ष सुनवाई होनी चाहिए

नयी दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी के लिए भारत ने दो शर्तें रखी हैं। बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत चाहता है कि बांग्लादेश की सेना खुद भारत आकर हसीना को अपने साथ वापस ले जाए। दूसरी शर्त यह है कि एआई अमेरिका को चीन से आगे रखने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। इसी वजह से वे एआई कंपनियों के प्रमुखों को देश के सबसे अहम कारोबारियों में गिनने लगे थे। इनमें जेनसन हुआंग सबसे आगे थे। हुआंग चाहते थे कि एनवीडिया अपनी चिप ज्यादा से ज्यादा देशों को बेचे। उनका मानना था कि अगर दूसरे देश एआई के लिए अमेरिकी चिप का इस्तेमाल करेंगे, तो वे चीन की तकनीक के बजाय अमेरिका की तकनीक पर निर्भर रहेंगे। व्हाइट हाउस में एआई और क्रिप्टो से जुड़े मामलों के प्रमुख डेविड सैक्स ने भी हुआंग का समर्थन किया। दोनों ने मिलकर ट्रम्प को चीन को कुछ खास तरह की चिप बेचने की इजाजत देने के लिए राजी किया। यह फैसला ट्रम्प के समर्थकों को पसंद नहीं था। इसके बावजूद ट्रम्प ने हुआंग और दूसरी बड़ी टेक कंपनियों के कारोबारियों की बात मानी। इनमें ओपन एआई, मेटा और स्पेस एक्स जैसी कंपनियां भी शामिल थीं। ट्रम्प ने एनवीडिया को चीन में अपनी कुछ खास चिप बेचने की इजाजत दी। इसके बदले अमेरिकी सरकार ने कंपनी की इस बिक्री से होने वाली कमाई का पहले 15फीसदी और बाद में 25फीसदी हिस्सा लेने की व्यवस्था की। इस फैसले पर कई लोगों ने सवाल उठाए। कुछ ने इसे कानूनी तौर पर गलत बताया, तो कुछ ने कहा कि इससे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। अमेरिकी प्रशासन के कुछ अधिकारी भी हैरान थे कि हुआंग का ट्रम्प पर इतना प्रभाव कैसे हो गया।

छठ पूजा और देवी जागरण की अनुमति निरस्त होने से मचा विवाद, राहुल पाण्डेय ने उठाए सवाल,एसडीएम ओबरा ने शांति व्यवस्था का हवाला देकर निरस्त की अनुमति, आयोजक ने पूर्व में जारी अनुमति बहाल करने की मांग की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ओबरा तहसील क्षेत्र के जुगैल थाना अंतर्गत ग्राम सभा कनहरा के बेलगड़ी स्थित पुरनका पोखरा टोला घाट पर छठ महापर्व के अवसर पर आयोजित होने वाले छठ पूजा एवं देवी जागरण कार्यक्रम की अनुमति निरस्त किए जाने से विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व में प्रशासन की ओर से अनुमति दिए जाने के बाद अंतिम समय में इसे निरस्त किए जाने पर आयोजक राहुल पाण्डेय ने सवाल उठाते हुए एसडीएम ओबरा को प्रार्थना पत्र सौंपकर अनुमति बहाल करने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल पाण्डेय ने 24 अक्टूबर 2026 को छठ पूजा एवं देवी जागरण कार्यक्रम के आयोजन के लिए आवेदन किया था। कार्यक्रम 13 से 16 नवंबर तक प्रस्तावित था। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक जुगैल ने 29 अक्टूबर को अपनी आख्या में आयोजन की अनुमति दिए जाने पर कोई आपत्ति नहीं जताई थी। इसके आधार पर उपजिलाधिकारी ओबरा कार्यालय से 2 नवंबर 2026 को कार्यक्रम की अनुमति जारी कर दी गई थी। हालांकि, 11 नवंबर को प्रभारी निरीक्षक जुगैल की ओर से नई आख्या प्रस्तुत की गई। इसमें बताया गया कि गांव की कुछ महिलाओं ने हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना पत्र देकर पूर्व में छठ पूजा के दौरान घटित एक आपराधिक घटना का उल्लेख करते हुए देवी जागरण कार्यक्रम निरस्त करने की मांग की है। आख्या में स्थानीय विरोध के चलते शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका भी जताई गई। इसी आख्या के आधार पर एसडीएम कार्यालय ने शांति व्यवस्था का हवाला देते हुए 2 नवंबर को जारी अनुमति तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी। प्रशासन की ओर से जारी आदेश में आयोजक को इसकी सूचना दी गई है। वहीं, राहुल पाण्डेय का कहना है कि अनुमति मिलने के बाद कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। छठ घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टेंट, देवी जागरण सहित अन्य व्यवस्थाओं पर खर्च भी किया जा चुका है।ऐसे में कार्यक्रम से ठीक पहले अनुमति निरस्त होने से आर्थिक नुकसान के साथ क्षेत्रीय श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं भी प्रभावित होंगी। उन्होंने प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष समीक्षा करने और पूर्व में जारी अनुमति निरस्त किए जाने के फैसले पर पुनर्विचार कर कार्यक्रम की अनुमति बहाल करने की मांग की है। अब इस मामले में प्रशासन के अगले कदम पर क्षेत्रीय लोगों की निगाहें टिकी हुई हैं।



छात्रवृत्ति के लिए आवेदन की संशोधित समय-सारिणी जारी, 24 नवंबर तक होगा सत्यापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूर्वदशम (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) छात्रवृत्ति योजना के तहत पात्र छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति का लाभ उपलब्ध कराने के लिए शासन द्वारा तृतीय संशोधित समय-सारिणी जारी की गई है। इसके तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के नवीन आवेदन तथा नवीनीकरण की प्रक्रिया निर्धारित तिथियों के अनुसार पूरी की जाएगी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, सोनभद्र ने बताया कि नवीनीकरण के तहत विद्यालयों द्वारा 12 से 19 नवंबर तक मास्टर डाटा तैयार किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा 13 से 20 नवंबर तक इसका सत्यापन किया जाएगा। छात्र-छात्राएं 12 से 20 नवंबर तक अपने आवेदन पत्रों का नवीनीकरण कर हार्डकॉपी संबंधित शिक्षण संस्थान में जमा करेंगे। इसके बाद विद्यालयों द्वारा 13 से 23 नवंबर तक ऑनलाइन सत्यापन एवं आवेदन अग्रसारण तथा जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा 14 से 24 नवंबर तक सत्यापन की कार्यवाही पूरी की जाएगी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने जनपद के समस्त शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों एवं छात्र-छात्राओं से निर्धारित समय-सारिणी का पालन करते हुए आवेदन एवं सत्यापन संबंधी सभी कार्यवाही समय से पूर्ण करने की अपील की है, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे।



न्यू लोको कॉलोनी में बना भव्य छठ घाट, डीआरएम ने किया लोकार्पण,डीआरएम आशीष जैन ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने रेलकर्मियों और उनके परिजनों को बड़ी सौगात दी है। वाराणसी मंडल के न्यू लोको कॉलोनी में नवनिर्मित छठ घाट का 12 नवंबर 2026 को मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन की मौजूदगी में लोकार्पण किया गया। खास बात यह रही कि छठ घाट का शुभारंभ स्थानीय महिला निवासियों ने फीता काटकर किया। इस पहल से रेलवे कॉलोनी की महिलाओं और छठ व्रतियों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोकार्पण के बाद डीआरएम आशीष जैन ने अधिकारियों के साथ नवनिर्मित छठ घाट का निरीक्षण किया। करीब 15 मीटर लंबे और सात मीटर चौड़े इस छठ घाट पर उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि छठ पूजा के मद्देनजर घाट को और बेहतर ढंग से विकसित किया जाए, ताकि व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साफ-सफाई, सुरक्षा और अन्य जरूरी सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने छठ व्रत करने वाली महिलाओं से भी आत्मीय संवाद किया और घाट की सुविधाओं को लेकर उनकी राय एवं सुझाव जाने। महिलाओं ने नवनिर्मित छठ घाट को रेलवे कॉलोनी के लिए महत्वपूर्ण सौगात बताते हुए रेल प्रशासन की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि कॉलोनी में ही छठ पूजा के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होने से व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत मिलेगी। महिलाओं ने इस सराहनीय कार्य के लिए मंडल रेल प्रबंधक एवं रेल प्रशासन के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम के अंत में डीआरएम आशीष जैन ने अधिकारियों के साथ छठ घाट के किनारे पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने हरित परिवेश विकसित करने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की दिशा में सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक आरजे चौधरी, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर विकास कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (आपरेशन) अजय कुमार, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (समाडि) अभिषेक राय, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (ईएनएचएम) अभिनव पाठक, वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक आशीष शुक्ला, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिनव कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) कुंवर सिंह यादव, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (कर्षण) सौरभ राठौर, सहायक मंडल इंजीनियर (नगरीय) अरविन्द पाण्डेय, स्टेशन निदेशक रामजी यादव सहित एससी/एसटी एसोसिएशन के पदाधिकारी, रेलवे कॉलोनी की महिलाएं एवं बच्चे मौजूद रहे। कार्यक्रम की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता ने मीडिया को दी।



सीओ सिटी की संवेदनशीलता से सुलझा महिलाओं का विवाद, सोशल मीडिया पर हुई सोनभद्र पुलिस की सराहना

लिखित समझौते व सुरक्षा के आश्वासन से बढ़ा जनता का विश्वास; आरटीआई एसोसिएशन व एसीबीआइ ने पोस्ट कर जताया आभार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) राबर्ट्सगंज/सोनभद्र। महिलाओं से जुड़े एक संवेदनशील विवाद का त्वरित, शांतिपूर्ण और सम्मानजनक निस्तारण कराने पर सोनभद्र पुलिस और क्षेत्राधिकारी नगर (सीओ सिटी) रणधीर कुमार मिश्रा की कार्यप्रणाली की सोशल मीडिया पर जमकर सराहना हो रही है। विभिन्न सामाजिक व जागरूक संगठनों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर पुलिस प्रशासन का आभार जताया है। लिखित समझौते और सुरक्षा के भरोसे से सुलझा मामलाः- सूचना का अधिकार कार्यकर्ता लिखा कि सीओ सिटी रणधीर



एसोसिएशन (पंजीकृत) वेज जिलाध्यक्ष अमान खान ने यूपी पुलिस के आला अधिकारियों व सोनभद्र पुलिस को टैग करते हुए कुमार मिश्रा के न्यायप्रिय दृष्टिकोण से पीड़ित महिलाओं के प्रकरण का सम्मानजनक समाधान हुआ है। विपक्षी द्वारा लिखित समझौतानामा दिए जाने और पुलिस की ओर से सुरक्षा का भरोसा मिलने से आमजन का पुलिस प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हुआ है। सराहनीय पुलिसिंग के लिए जताया साधुवादः- वहीं, एंटी करप्शन ब्यूरो ऑफ इंडिया (एसीबीआई) की सोनभद्र जिला इकाई ने भी सीओ सिटी की कार्यशैली को 'सराहनीय पुलिसिंग' करार दिया है। संगठन ने अपने पोस्ट में कहा कि सीओ के त्वरित व संवेदनशील हस्तक्षेप से विवाद का शांतिपूर्ण निस्तारण संभव हो सका। पीड़ित पक्ष को न्याय और सुरक्षा का भरोसा दिलाने के लिए सोनभद्र पुलिस की कार्यप्रणाली प्रशंसनीय है।

एक लाख रुपये ठगे,चोपन पुलिस ने साइबर हेल्प डेस्क और बैंक की मदद से पूरी रकम लौटाई

सोनभद्र। साइबर अपराधियों ने ट्रक का चालान जमा करने के नाम पर एक व्यक्ति के बैंक खाते से एक लाख रुपये की ठगी कर ली थी। मामले में थाना चोपन की साइबर हेल्प डेस्क ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए पीड़ित की ठगी गई पूरी धनराशि वापस करा दी। खाते में एक लाख रुपये वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस टीम का आभार जताया। पुलिस के अनुसार, डाला के बारी निवासी विनय कुशवाहा पुत्र ललू प्रसाद कुशवाहा के साथ 4 जून 2026 को साइबर धोखाधड़ी की घटना हुई थी। ट्रक का चालान जमा करने के नाम पर यूपीआई के माध्यम से उनके बैंक खाते से एक लाख रुपये निकाल लिए गए थे। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा ने साइबर अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की धनराशि वापस कराने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन एवं नोडल अधिकारी ऋषभ रुणवाल, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय मेविस टॉक तथा क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा के पर्यवेक्षण में थाना चोपन की साइबर हेल्प डेस्क ने मामले की जांच शुरू की। प्रभारी निरीक्षक गोपाल जी गुप्ता के नेतृत्व में साइबर हेल्प डेस्क ने बैंक ट्रांजेक्शन का तकनीकी विश्लेषण किया। जांच के दौरान संदिग्ध बैंक लेनदेन को ट्रेस कर संबंधित बैंक से संपर्क स्थापित किया गया।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स



डायबिटीज में हार्ट डिजीज का रिस्क ज्यादा,खतरे के 6 संकेत दिखें तो अस्पताल जाएं, हर डायबिटिक के लिए सावधानियां

नयी दिल्ली। डायबिटीज एक मेटाबॉलिक डिसऑर्डर है, जिसमें ब्लड में शुगर का लेवल सामान्य से ज्यादा हो जाता है। इस स्थिति में पैंक्रियाज (अग्न्याशय) पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाता या शरीर बनने वाले इंसुलिन का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाता। इंसुलिन एक हार्मोन है, जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है। लंबे समय तक शुगर का लेवल बढ़ा रहने से शरीर के कई अंगों को गंभीर नुकसान हो सकता है। नर्व्स और ब्लड वेसल्स पर इसका खासतौर पर बुरा असर पड़ता है। साल 2023 में मेडिकल जर्नल 'द लैंसेट डायबिटीज एंड एंडोक्रोनोलॉजी' में पब्लिश रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में करीब 10.1 करोड़ लोगों को डायबिटीज है। वहीं लगभग 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटिक हैं। 'वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन' (डब्लूएचओ) के मुताबिक, डायबिटिक लोगों में हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क सामान्य लोगों की तुलना में 2-3 गुना तक ज्यादा होता है। हालांकि लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके इस रिस्क को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में डायबिटीज और हार्ट डिजीज का कनेक्शन समझेंगे। साथ ही जानेंगे कि- डायबिटीज हार्ट को कैसे प्रभावित करती है? हार्ट हेल्थ प्रिवेंशन के लिए लाइफस्टाइल कैसी होनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. सावेज्ञत कांत, सीनियर कंसल्टेंट, एंडोक्रोनोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से।



सवाल- मोटापा और डायबिटीज मिलकर हार्ट पर कैसे असर डालते हैं?

जवाब- मोटापे से इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ सकता है, जिससे ब्लड शुगर कंट्रोल करना मुश्किल होता है। वहीं, हाई ब्लड शुगर और मोटापे की कारण हाई ब्लड प्रेशर, असामान्य कोलेस्ट्रॉल और आर्टरीज में प्लाक जमा होने का रिस्क बढ़ता है। इससे हार्ट डिजीज और हार्ट अटैक का रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- डायबिटिक लोगों को हार्ट से जुड़े किन संकेतों या बदलावों पर गौर करना चाहिए? किन संकेतों को बिल्कुल इग्नोर नहीं करना चाहिए? जवाब- डायबिटिक लोगों को हार्ट से जुड़े किसी भी असामान्य लक्षण को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। 1 डायबिटिक लोगों के लिए वार्निंग साइनः-सांस फूले/सांस लेने में परेशानी हो। सीने में दर्द या भारीपन हो। अचानक तेज पसीना आए। अचानक चक्कर, बेहोशी हो। असामान्य थकान, कमजोरी हो। मतली/उल्टी के साथ बेचैनी हो। सवाल- डायबिटिक लोगों को हार्ट हेल्थ प्रिवेंशन के लिए अपनी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- डायबिटिक लोगों को शुगर कंट्रोल के साथ-साथ हार्ट हेल्थ का ध्यान रखना भी जरूरी है। डायबिटिक लोगों के लिए जरूरी सावधानियांः- रेगुलर ब्लड शुगर चेक करें। बीपी, कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रखें। रूटीन दवाएं समय पर लें। संतुलित पौष्टिक डाइट लें। वजन कंट्रोल में रखें। रेगुलर एक्सरसाइज करें। किसी लक्षण को इग्नोर न करें। रेगुलर हेल्थ चेकअप कराएं। सिगरेट, तंबाकू से दूर रहें। डायबिटिक लोगों के लिए डाइटः- क्या खाएं? हरी पत्तेदार सब्जियां, सलाद, साबुत अनाज, दालें, चना, राजमा, लो फैट दूध/दही, नट्स और सीड्स, फ्रेश बीन्स, कम जीआई वाले फल (आंवला, जामुन, अंगूर, अमरूद, नाशपाती, सेब, संतरा आदि) क्या न खाएं? डीप फ्राइड फूड, ज्यादा घी- मक्खन, शुगरी ड्रिंक्स, सोडा, पैकेज्ड स्नैक्स/ बिस्किट, रिफाइंड कार्ब्स, ज़्यादा नमक वाले फूड अल्कोहल।डायबिटीज और हार्ट हेल्थ से जुड़े कॉमन सवाल-जवाबः- सवाल- हेल्दी हार्ट हेल्थ के लिए एचबीए1सी लेवल कितना होना चाहिए? जवाब- इसके लिए एचबीए1सी का लेवल 5.7फीसदी से कम होना सबसे अच्छा माना जाता है। अगर डायबिटीज है तो इसे 6.5-7फीसदी से कम रखना सुरक्षित माना जाता है। एचबीए1सी पिछले 2-3 महीनों के औसत शुगर लेवल को दर्शाता है। सवाल- एचबीए1सी टेस्ट कितने अंतराल पर करवाना चाहिए? जवाब- अगर ब्लड शुगर कंट्रोल है तो हर 6 महीने में टेस्ट कराना चाहिए। अगर हाई है या दवा बदली गई है तो हर 3 महीने में जांच करानी चाहिए। सवाल- डायबिटिक व्यक्ति को कौन-से हार्ट टेस्ट रेगुलर कराने चाहिए? जवाब- डायबिटिक व्यक्ति को रेगुलर ब्लड प्रेशर, लिपिड प्रोफाइल, ब्लड शुगर और एचबीए1सी की जांच करानी चाहिए। सवाल- लिपिड प्रोफाइल कितने दिनों में कराना चाहिए? जवाब- डायबिटिक लोगों को साल में कम-से-कम एक बार लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराना चाहिए। अगर कोलेस्ट्रॉल ज्यादा है या दवा चल रही है, तो डॉक्टर की सलाह अनुसार 3-6 महीने में जांच करा सकते हैं। सवाल- ईसीजी और 2डी इको टेस्ट कितने अंतराल में करवाना चाहिए? जवाब- ये जांचें आमतौर पर तब कराई जाती हैं, जब हार्ट डिजीज के लक्षण हों, कोई रिस्क फैक्टर हो या डॉक्टर इसकी सलाह दें। सवाल- क्या स्ट्रेस और नींद की कमी डायबिटिक लोगों में हार्ट डिजीज का रिस्क बढ़ा सकती है? जवाब- हां, लगातार स्ट्रेस और नींद की कमी ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और बॉडी में इंफ्लेमेशन लेवल को बढ़ा सकती है।

इससे डायबिटिक लोगों में हार्ट डिजीज का जोखिम बढ़ता है। सवाल- डायबिटिक लोगों को किस स्थिति में कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना चाहिए? जवाब- इन स्थितियों में तुरंत कार्डियोलॉजिस्ट से सलाह लेनी चाहिए-सीने में दर्द, दबाव या जलन महसूस हो। हल्के काम में भी सांस फूलने लगे। अचानक तेज थकान, चक्कर या पसीना आए। पैरों या टखनों में सूजन दिखे। ईसीजी या अन्य रिपोर्ट में असामान्यता दिखे।



डायबिटीज हार्ट को कैसे प्रभावित करती है? हार्ट हेल्थ प्रिवेंशन के लिए लाइफस्टाइल कैसी होनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. सावेज्ञत कांत, सीनियर कंसल्टेंट, एंडोक्रोनोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से।

सवाल- डायबिटीज हमारे हार्ट को कैसे प्रभावित करती है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- लंबे समय तक ब्लड शुगर हाई रहने से आर्टरीज की अंदरूनी लेयर (एंडोथीलियम) को नुकसान पहुंच सकता है।इससे आर्टरीज में कोलेस्ट्रॉल और फैट जमा होने की बढ़ता है। डायबिटिक लोगों में हाई ब्लड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रॉल का जोखिम भी ज्यादा होता है। ये दोनों हार्ट डिजीज का रिस्क बढ़ाते हैं। सवाल- अगर किसी का ब्लड शुगर लेवल हाई है तो इससे ब्लड वेसल्स को क्या नुकसान होता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- ब्लड में लंबे समय तक ग्लूकोज का लेवल ज्यादा रहने से ब्लड वेसल्स की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंचता है। इससे उनमें इंफ्लेमेशन और सख्ती बढ़ सकती है। साथ ही ब्लड फ्लो प्रभावित होता है और शरीर के अंगों तक पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं पहुंच पाते। लंबे समय में यह स्थिति हार्ट डिजीज, स्ट्रोक, किडनी डिजीज, आंखों के रेटिना को नुकसान (डायबिटिक रेटिनोपैथी) और पैरों में ब्लड फ्लो कम होने जैसी समस्याओं का कारण बन सकती हैः-इसलिए ब्लड शुगर को कंट्रोल रखना केवल डायबिटीज मैनेजमेंट के लिए ही नहीं, बल्कि ओवरऑल हेल्थ के लिए भी जरूरी है। सवाल- क्या हर डायबिटिक व्यक्ति को हार्ट डिजीज का रिस्क होता है? जवाब- हां, डायबिटीज से पीड़ित हर व्यक्ति में हार्ट डिजीज का रिस्क सामान्य लोगों की तुलना में ज्यादा होता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हर डायबिटिक व्यक्ति को हार्ट डिजीज होगी ही। इसका जोखिम कई बातों पर निर्भर करता है, जैसेकि- ब्लड शुगर कितनी कंट्रोल में है। व्यक्ति को कितने समय से डायबिटीज है। ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल का लेवल कितना है। मोटापा, स्मोकिंग और फिजिकल एक्टिविटी की स्थिति अनकंट्रोल्ड रहे तो क्या इससे स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है? जवाब- हां, इससे ब्लड वेसल्स में प्लाक जमा होने और आर्टरीज संकरी होने का रिस्क बढ़ता है। इससे ब्रेन तक ब्लड की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। यह स्थिति स्ट्रोक का खतरा बढ़ा सकती है। सवाल- किन लोगों को डायबिटीज और हार्ट डिजीज, दोनों का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- कुछ लोगों में इसका रिस्क ज्यादा होता है। डायबिटीज का रिस्क किन्हें ज्यादा? जिन्हें इंसुलिन रेजिस्टेंस है। फैमिली में डायबिटीज की हिस्ट्री है। जिनकी सिडेंटरी लाइफस्टाइल है। जिन्हें प्री- डायबिटीज है। जो

भारत की वनडे क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी हार,चौथे मैच में न्यूजीलैंड 244 रन से जीता,रोहित, विराट और अय्यर जीरो पर आउट

स्पोर्ट डेस्क। टीम इंडिया को 52 साल के वनडे इतिहास में अपनी दूसरी सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी है। न्यूजीलैंड ने माउंट माउंगानुई में खेले गए सीरीज के चौथे मुकाबले



में भारतीय टीम को 244 रन से हराया। न्यूजीलैंड ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 333 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 26.4 ओवर में 89 रन पर ऑलआउट गई। मैट हैनरी ने भारत के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को आउट कर दिया। यह पहला मौका है जब भारत ने पारी के पहले ही ओवर में तीन विकेट गंवाए। इनके बाद आने वाले बल्लेबाज भी फेल रहे। सिर्फ ईशान किशन, अक्षर पटेल और नमन धीर ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। सबसे बड़ी हार श्रीलंका के खिलाफ मिली है:-भारत को वनडे में सबसे बड़ी हार साल 2000 में शारजाह में श्रीलंका के खिलाफ मिली थी। तब श्रीलंका ने टीम इंडिया को 245 रन से हराया था। भारत सीरीज में 2-1 से आगे:- टीम इंडिया 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है। भारत ने पहला मैच 5 विकेट और दूसरा मुकाबला 4 रन से जीता था, जबकि तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द हो गया था। सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा। हेनरी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गयाः-न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 6 विकेट लिए। हेनरी ने रोहित शर्मा, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर को आउट कर भारतीय टॉप ऑर्डर को झकझोर दिया। भारत 89 रन पर ऑलआउटः-मैट हेनरी ने गुरनूर बरार को बोल्ड कर भारत की पारी समेट दी। 27वें ओवर की चौथी गेंद पर हेनरी ने ऑफ स्टंप पर फुल लेंथ गेंद डाली। गुरनूर बिना पैर आगे बढ़ाए शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले के नीचे से निकलकर ऑफ स्टंप पर जा लगी। वे 13 गेंदों पर 2 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड ने भारत को 244 रन से हराया। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने सीरीज में स्कोर 2-2 कर दिया। आखिरी वनडे इसी मैदान पर खेला जाएगा। पहले ओवर में सबसे ज्यादा 4 विकेट का रिकॉर्डः-बांग्लादेश ने 2003 वनडे वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खिलाफ पहले ही ओवर में 4 विकेट गंवा दिए थे। तब एक ओवर के बाद बांग्लादेश का स्कोर 5/4 था। गेंदबाज चामिंडा वास थे। नमन धीर ने लगातार 2 छक्के लगाए, आखिरी गेंद पर आउटः-मैथ्यू फिशर ने नमन धीर को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। 24वें ओवर की दूसरी और तीसरी गेंद पर नमन ने लगातार 2 छक्के लगाए। उन्होंने पहले लॉन्ग ऑफ के ऊपर से और फिर पुल शॉट खेलकर गेंद को बाउंड्री के पार पहुंचाया। हालांकि, भारत को आठवां झटका दिया। 23वें ओवर की आखिरी गेंद ठेंथ पर पड़ी और अंदर की ओर आई। कुलदीप आगे बढ़कर डिफेंड करने की कोशिश में गेंद की लाइन और मूवमेंट को समझ नहीं सकेः। गेंद बल्ले को चकमा देकर ऑफ स्टंप पर जा लगी। कुलदीप 4 गेंदों पर 1 रन बनाकर आउट हुए। यह हेनरी का मैच में पांचवां और वनडे करियर का चौथा फाइव विकेट हॉल है। 21वें ओवर की पहली गेंद पर ईशान बोल्डः-मैट हेनरी ने वापसी करते ही पहली गेंद पर ईशान किशन को बोल्ड कर दिया। 21वें ओवर की पहली गेंद लेंथ पर थी और पिच से पड़कर अंदर की ओर आई। ईशान उसे खेलने से चूक गए और गेंद स्टंप्स पर जा लगी। वे 53 गेंदों पर 27 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 4 चौके लगाए। हेनरी ने 6 ओवर में 16 रन देकर 4 विकेट ले लिए हैं। अक्षर आउट, ईशान के साथ 44 रन की साझेदारी टूटीः-मैथ्यू फिशर ने अक्षर पटेल को आउट कर भारत को पांचवां झटका दिया। 18वें ओवर की पहली गेंद पर अक्षर बैकफुट पर जाकर डिफेंड करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर स्लिप की ओर गई। फिन एलन ने आसान कैच पकड़ लिया। अक्षर 36 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 3 चौके लगाए। ईशान किशन और अक्षर पटेल के बीच पांचवें विकेट के लिए 70 गेंदों पर 44 रन की साझेदारी हुई। 10 ओवर में भारत का संयुक्त रूप से छठा सबसे कम स्कोर-भारत ने पहले 10 ओवर में 4 विकेट पर 26 रन बनाए। 2018 के बाद वनडे में पहले 10 ओवर में यह भारत का संयुक्त रूप से छठा सबसे कम स्कोर है। इस दौरान टीम ने सबसे कम 21 रन 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में बनाए थे। मैट हेनरी ने 3 विकेट लेकर भारतीय टॉप ऑर्डर को झकझोर दिया। 10वें ओवर में 4 रन बनेः-10वें ओवर में भारत ने 4 रन बनाए। काइल जैमिसन के ओवर में ईशान किशन ने ओवर की तीसरी गेंद पर बैकवर्ड पॉइंट के बाईं ओर चौका लगाया। हालांकि, बाकी गेंदों पर वे कोई रन नहीं बना सके। 10 ओवर के बाद भारत का स्कोर 4 विकेट पर 26 रन है। ईशान 16 और अक्षर पटेल 4 रन बनाकर क्रीज पर हैं। जैमिसन ने गायकवाड को पवेलियन भेजाः-न्यूजीलैंड को चौथे वनडे में चौथी सफलता मिली है। काइल जैमिसन ने ऋतुराज गायकवाड को 5 रन के स्कोर पर आउट कर दिया। गायकवाड के बल्ले का बाहरी किनारा लगा और दूसरी स्लिप में माइकल ब्रेसवेल ने शानदार कैच पकड़ा। भारत ने 5.3 ओवर में 3 रन पर चौथा विकेट गंवा दिया। हेनरी ने अपना दूसरा ओवर भी मेडन फेंकाः-मैट हेनरी ने तीसरे ओवर में भी भारतीय बल्लेबाजों को रन नहीं बनाने दिए। इस ओवर में ईशान किशन ने 6 गेंदें खेलीं, लेकिन खाता नहीं खोल सके। भारत ने 3 ओवर के बाद 3 विकेट पर 2 रन बनाए हैं। हेनरी ने अब तक 2 ओवर मेडन डालते हुए 3 विकेट हासिल किए हैं। रोहित-कोहली जीरो पर आउट हुएः-भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने पहले ही ओवर में रोहित शर्मा और विराट कोहली को आउट कर दिया। रोहित पहली गेंद पर फिन एलन को कैच थमा बैठे, जबकि कोहली 4 गेंद खेलने के बाद बिना खाता खोले बोल्ड हो गए। भारत ने बिना कोई रन बनाए 2 विकेट गंवा दिए। 2 रनआउट से सिमटी न्यूजीलैंड की पारीः-न्यूजीलैंड 50 ओवर में 333 रन पर ऑलआउट हो गई है।



आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर काइल जैमिसन ने सीधा शॉट खेला और रन के लिए दौड़ पड़े। हालांकि गेंदबाज आकिब नबी ने फॉलोथ्रू में गेंद को पकड़ा और विकेटकीपर के छोर पर डायरेक्ट हिट लगाई। मैट हेनरी 2 रन बनाकर रनआउट हुए। अगली गेंद पर भी मैट फिशर 2 रन दौड़ने के चक्कर में रनआउट हो गए। विराट कोहली के थ्रो पर विकेटकीपर ईशान किशन ने स्टंप बिखेरा। क्लार्क एलबीडब्लू आउट, आकिब को सफलताः-आकिब नबी ने क्रिस्टियन क्लार्क को एलबीडब्लू आउट कर न्यूजीलैंड को आठवां झटका दिया। 48वें ओवर की आखिरी गेंद पर क्लार्क ने ऑफ स्टंप के पास पिच हुई गेंद को फ्लिक करने की कोशिश की, लेकिन चूक गए और गेंद पैड पर लगी। अंपायर के आउट देने पर क्लार्क ने रिव्यू लिया, लेकिन रीप्ले में गेंद स्टंप्स पर लगती दिखी। क्लार्क 22 गेंदों पर 22 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने एक चौका और एक छक्का लगाया। अर्शदीप को सफलता- अर्शदीप सिंह ने मिचेल सैंटनर को आउट कर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। 45वें ओवर की दूसरी गेंद पर सैंटनर ने बैकफुट पर जाकर ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को खेलने की कोशिश की, लेकिन बल्ले का बाहरी किनारा लगा। विकेट के पीछे ईशान किशन ने कैच पकड़ लिया। सैंटनर 29 गेंदों पर 24 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने एक चौका और 2 छक्के लगाए। 41वें ओवर की पांचवीं गेंद पर रोहित ने सैंटनर का कैच छोड़ाः-नमन धीर के ओवर में मिचेल सैंटनर को जीवनदान मिला। 41वें ओवर की पांचवीं गेंद पर सैंटनर ने कवर की ओर शॉट खेला, लेकिन रोहित शर्मा नीचे की ओर कैच नहीं पकड़ सके। रीप्ले में साफ हुआ कि गेंद रोहित तक पहुंची थी। यह मैच में भारतीय टीम का एक और कैच छोड़ना रहा। नमन धीर ने ब्रेसवेल का कैच पकड़ाः-गुरनूर बरार ने माइकल ब्रेसवेल को आउट कर न्यूजीलैंड को छठा झटका दिया। 38वें ओवर की पांचवीं गेंद पर ब्रेसवेल ने शॉट खेला, लेकिन डीप बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर नमन धीर ने आगे की ओर दौड़ लगाकर कैच पकड़ा। ब्रेसवेल 20 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने एक चौका लगाया। सब्स्टीट्यूट फील्डर कुमार कुशाग्र ने यंग का कैच पकड़ाः-नमन धीर ने विल यंग को आउट कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। 37वें ओवर की आखिरी गेंद पर यंग ने स्लॉग स्वीप खेला, लेकिन डीप मिडविकेट पर सब्स्टीट्यूट फील्डर कुमार कुशाग्र ने दूसरे प्रयास में कैच पकड़ लिया। यंग 108 गेंदों पर 125 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 14 चौके और 4 छक्के लगाए। यंग के हेलमेट पर लगी गेंदः-34वें ओवर की पहली गेंद पर विल यंग रिवर्स स्वीप खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर उनके हेलमेट पर लगी। इसके बाद फिजियो मैदान पर पहुंचे और यंग का कन्कशन टेस्ट किया गया। जांच के बाद उन्होंने बल्लेबाजी जारी रखी। विल यंग ने पांचवां वनडे शतक पूरा कियाः-न्यूजीलैंड के ओपनर विल यंग ने भारत के खिलाफ चौथे वनडे में 88 गेंदों पर अपना पांचवां वनडे शतक पूरा किया। उन्होंने शुक्रवार को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में यह उपलब्धि हासिल की। यंग-एलन के बीच 90 रन की साझेदारी टूटीः-विल यंग और फिन एलन ने चौथे विकेट के लिए 65 गेंदों पर 90 रन जोड़े। यंग ने 36 गेंदों पर 48 रन बनाए, जबकि एलन ने 30 गेंदों पर 41 रन की पारी खेली।अक्षर पटेल ने फिन एलन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा और भारत को चौथी सफलता दिलाई। 31वें ओवर की दूसरी गेंद पर एलन ने शॉर्ट कवर की ओर शॉट खेला, जहां रोहित शर्मा ने दाईं ओर डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा। एलन ने 5 चौके और 2 छक्के लगाए।एलन ने फ्री हिट पर छक्का लगाया-26वां ओवर कुलदीप यादव ने फेंका। इस ओवर में 19 रन बने। विल यंग ने ओवर की दूसरी चौका लगाया। इसके बाद फिन एलन ने चौथी गेंद पर चौका और फ्री हिट पर छक्का जड़ दिया। इस ओवर में कुलदीप ने एक नो-बॉल भी फेंकी। 26 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर 3 विकेट पर 178 रन हो गया। यंग-एलन के बीच 38 गेंदों पर अर्धशतकीय साझेदारीः-विल यंग और फिन एलन के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हो गई है।

दोनों ने 38 गेंदों पर 54 रन जोड़ लिए हैं। यंग ने 21 गेंदों पर 22 रन बनाए, जबकि एलन ने 20 गेंदों पर 31 रन बनाए। एलन की शॉट से बॉल का शेप बिगड़ाः-23वें ओवर की आखिरी गेंद पर फिन एलन के शॉट के बाद गेंद का आकार बिगड़ गया। गेंद पर गड्ढा पड़ने के कारण चौथे अंपायर ब्रीफकेस में नई गेंदें लेकर मैदान पर पहुंचे। इसके चलते कुछ देर खेल रोकना पड़ा। इस दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने ड्रिंक्स ब्रेक लिया।

आकिब को पहली सफलताः- आकिब नबी ने डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को आउट कर न्यूजीलैंड को तीसरा झटका दिया।

20वें ओवर की तीसरी गेंद पर फॉक्सक्रॉफ्ट आगे निकलकर पुल शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद उनके बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर फाइन लेग की ओर गई। वहां गुरनूर बरार ने कैच पकड़ लिया। फॉक्सक्रॉफ्ट 13 गेंदों पर 8 रन बनाकर आउट हुए। अब फिन एलन बल्लेबाजी करने आए हैं।

पेंडेट पर विवाद-सैफ करीना पर धार्मिक भावनाएं आहत करने के 4 आरोप, धर्म परिवर्तन, तैमूर के नाम पर हुई आलोचना

मुंबई। करीना कपूर को भोपाल के नवाब परिवार की विरासत से जुड़ा आयत-उल-कुर्सी लिखा पेंडेंट पहनने पर कानूनी नोटिस भेजा गया है। उन पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया गया है। जिस लुक पर विवाद हुआ, उसमें करीना ने भोपाल के नवाब हमीदुल्लाह खान की 200 साल पुरानी हीरे जड़ी हुई कलगी भी पहनी थी। इससे पहले भी करीना ने शादी में 1939 में बेगम साजिदा सुल्तान द्वारा उनकी शादी में पहना हुआ जोड़ा पहना था। लेकिन अब उनके पेडेंट पर बड़ा विवाद हो गया है। उनसे माफी की मांग की गई है, कुछ लोग उनके सपोर्ट में भी उतरे हैं। लेकिन ये इस तरह का कोई पहला मामला नहीं है, जब करीना या सैफ धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप झेल रहे हैं। दोनों कभी सिख समुदाय, तो कभी क्रिश्चियन समुदाय की भावनाएं आहत करने के आरोपों से गुजर चुके हैं। वहीं इसके अलावा भी कपल को शादी और बेटे का नाम तैमूर रखने से आलोचना का सामना करना पड़ा। करीना कपूर ने दिवाली 2026 के मौके पर सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इनमें वह डिजाइनर पुनीत बलाना का चांदी के वर्क वाला बेज रंग का काफ्तान और



मैचिंग पगड़ी पहने नजर आईं। हालांकि, उनके लुक में सबसे ज्यादा चर्चा जूलरी की हुई। करीना ने गले में 30 कैरेट का पन्ना पहना था, जिस पर कुरान की आयत-उल-कुर्सी उकेरी गई है। यह पेंडेंट भोपाल की बेगम की पुश्तैनी विरासत बताया गया है। इसके अलावा उन्होंने सिर पर करीब 200 साल पुरानी हीरे की कलगी भी पहनी थी, जो भोपाल के नवाब परिवार से जुड़ी है। विवाद कैसे शुरू हुआ? 11 नवंबर 2026 को मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेता अब्बास हफीज ने करीना कपूर और उनकी स्टाइलिस्ट रिया कपूर को कानूनी नोटिस भेजा। उनका कहना है कि पेंडेंट पर कुरान की आयत लिखी है, इसलिए उसे पहनने और सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने का तरीका धार्मिक मर्यादा के अनुरूप होना चाहिए। नोटिस में सोशल मीडिया से तस्वीरें और वीडियो हटाने, सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और भविष्य में ऐसी प्रस्तुति से बचने की मांग की गई है। हफीज ने कहा कि उन्हें करीना के कपड़ों या सामान्य तौर पर जूलरी पहनने से आपत्ति नहीं है, बल्कि पवित्र आयत को जिस अंदाज में दिखाया गया, उस पर सवाल है। विवाद के बीच हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने करीना का समर्थन किया। उनका कहना है कि करीना ने पेंडेंट को गले में, दिल के करीब पहना है और इसमें माफी मांगने जैसी कोई बात नहीं है। कैसे नवाबों का पेंडेंट और कलगी करीना तक पहुंची? नवाब हमीदुल्लाह खान भोपाल रियासत के आखिरी शासक थे। करीना और सैफ द्वारा पहनी गई कलगी, हमीदुल्लाह खान की हुआ करती थी, जो सालों बाद अब करीना ने इस्तेमाल की हैं। नवाब हमीदुल्लाह खान की बेटी बेगम साजिदा सुल्तान की शादी पटौदी विरासत के नवाब इफ्तिखार अली खान से हुई थी। इस शादी से उन्हें बेटे मंसूर अली खान पटौदी हुए, जो भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान थे। मंसूर अली खान ने 1968 में एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर से शादी की, जिससे उन्हें 3 बच्चे, सैफ, सबा और सोहा हुए।

जूही चावला हुई 59 की-आमिर ने हाथ पर थूका तो दोस्ती टूटी, सलमान से शादी का रिश्ता ठुकराया,शाहरुख को थप्पड़ मारा,तीनों खान..!

मुंबई। बॉलीवुड की सबसे हंसमुख अदाकारा जूही चावला आज अपना 59वां जन्मदिन मना रही हैं। 80 और 90 के दशक में



अपनी खूबसूरत मुस्कान और शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली जूही आज देश की सबसे अमीर अभिनेत्री हैं। 1986 में फिल्म 'सल्तनत' से डेब्यू करने वाली जूही ने अपने 40 साल के फिल्मी करियर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। वे बॉलीवुड की कुछ चुनिंदा एक्टर्स में से एक हैं जिन्होंने तीनों खान शाहरुख, आमिर और सलमान के साथ काम किया है। सलमान के साथ बतौर लीड एक्ट्रेस जूही ने कोई फिल्म नहीं की इसके बावजूद सलमान उन्हें काफी पसंद करते थे। सलमान जूही चावला से शादी करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने जूही के पिता से उनका हाथ भी मांग लिया था। लेकिन जूही और उनके पिता ने सलमान को रिजेक्ट कर दिया। जूही ने कभी गुस्से में शाहरुख खान को थप्पड़ जड़ दिया था, तो आमिर खान की एक घिनौनी हरकत से नाराज होकर उनसे 5 साल तक बात नहीं की थी। आज जूही चावला के बर्थडे के खास मौके पर जानिए सलमान, शाहरुख और आमिर के साथ उनकी दोस्ती और अनबन की कहानी-आमिर ने कभी हाथ पर थूका तो कभी सांप



पकड़ायाः-आमिर खान ने अपने करियर की शुरुआत ही जूही चावला के साथ की थी। दोनों साल 1988 की पिक्चर 'कयामत से कयामत तक' में नजर आए थे। इसके बाद दोनों ने कई फिल्मों में काम किया था और वो अच्छे दोस्त भी थे, लेकिन आमिर के मजाक की आदत ने दोनों के बीच सालों की दरार डाल दी। एक बार फिल्म 'हम हैं राही प्यार के' की शूटिंग 'इश्क' के सेट पर मजाक किया था, लेकिन इस बार ये मजाक महंगा पड़ गया। 'अंखियां तू मिला ले राजा' गाने की शूटिंग के दौरान आमिर जूही के पास गए और उन्हें कहा कि वह ज्योतिष विद्या जानते हैं और उनका हाथ देख सकते हैं। जूही को आमिर की बातों पर भरोसा हो गया और उन्होंने अपना हाथ जैसे ही आमिर के सामने रखा, उन्होंने उनके हाथ पर थूक दिया। जूही इस बात से बहुत नाराज हो गईं और रोने लगीं। इसके बाद जूही ने 5 साल तक आमिर खान से बात नहीं की थी। गुस्से में ठुकराई 'राजा हिंदुस्तानी', लेकिन आमिर के बुरे दौर में दिया सहाराः-आमिर खान से इस कदर नाराज थीं कि जब उन्हें ब्लॉकबस्टर फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' में आमिर के अपोजिट लीड रोल ऑफर हुआ, तो उन्होंने गुस्से में सिर्फ आमिर का नाम सुनकर फिल्म ठुकरा दी। जूही के इस फैसले से आमिर भी हैरान रह गए थे, जिसके बाद वह रोल करिश्मा कपूर को मिला और उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म साबित हुआ। हालांकि 5 साल बाद दोनों का यह झगड़ा खत्म हुआ और उनकी दोस्ती वापस पटरी पर लौटी। जब आमिर खान का अपनी पहली पत्नी रीना दत्ता से तलाक हुआ, तो आमिर बेहद डिप्रेशन और मानसिक तनाव से गुजर रहे थे। उस दौर में आमिर रोज रात को सोने के लिए शराब पीने लगे थे। तब जूही चावला अपनी पुरानी नाराजगी भूलकर आमिर के घर जाती थीं, उनका हौसला बढ़ाती थीं और उन्हें इस मुश्किल दौर से बाहर निकालने में मदद करती थीं। गुस्से में शाहरुख खान को जड़ दिया था थप्पड़ः-शाहरुख खान और जूही चावला की ऑनस्क्रीन जोड़ी जितनी सुपरहिट रही, ऑफस्क्रीन उनकी दोस्ती उतनी ही गहरी है। लेकिन इसी दोस्ती के बीच एक बार ऐसा दौर भी आया जब जूही ने गुस्से में आकर शाहरुख को थप्पड़ जड़ दिया था। डायरेक्टर विवेक शर्मा ने बताया था की दोनों एक्टर्स फिल्म 'फिर दिल है हिंदुस्तानी' की शूटिंग के दौरान फिल्म के एक्शन मास्टर एक एक्शन सीन फिल्मा रहे थे। इस एक्शन सीन को लेकर शाहरुख खान बहुत उत्साहित थे। एक्शन सीक्वेंस के दौरान एक आग का गोला निकलता है। जूही को इसकी जानकारी ही नहीं थी। जब सीन शूट होना शुरू हुआ और आग का गोला बूम से निकला तो जूही चावला काफी डर गईं और गुस्से में शाहरुख खान को एक थप्पड़ भी जड़ दिया और शूटिंग छोड़कर अपनी वैनिटी वैन में चली गईं। शाहरुख को लगा कि उनकी गलती की वजह से जूही नाराज हुई हैं तो वह खुद गए और जूही को मना कर वापस लाए। जबकि इसमें शाहरुख खान की कोई गलती नहीं थी। जूही को लगा कि शाहरुख को सब पता था और उन्होंने नहीं बताया। मुश्किल वक्त में शाहरुख ने दिया साथ, जूही ने आर्यन की जमानत कराईः- केवल फिल्मों में ही नहीं शाहरुख-जूही रियल लाइफ में भी एक दूसरे के जोड़ीदार हैं। एक इंटरव्यू में जूही ने बताया था कि जब उनके भाई कोमा में चले गए थे, तो वो पूरी तरह से अकेली हो गई थीं। मां-पापा के



जाने के बाद उनके भाई ही थे जो उनका ख्याल रखते थे। उनके इस मुश्किल वक्त में शाहरुख खान ही थे, जिन्होंने जूही को बहुत सपोर्ट किया था। जूही अक्सर कहती हैं कि 'अगर मुझे किसी चीज की जरूरत हो और मैं शाहरुख को फोन करूं तो मैं जानती हूं वह पलक झपकते ही मेरे पास पहुंच जाएंगे।' यह दोस्ती सिर्फ एकतरफा नहीं रही। जब शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को 2021 में ड्रग्स केस के सिलसिले में जेल जाना पड़ा था, तो जूही चावला ही थीं जो सेशन कोर्ट पहुंचीं और आर्यन की 1 लाख रुपए की जमानत के लिए मुख्य बेल बॉन्ड पर साइन किया। दोनों आईपीएल कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के को-पार्टनर्स भी हैं। सलमान खान करना चाहते थे जूही से शादी, पिता ने किया रिजेक्ट-शाहरुख खान और आमिर खान दोनों ने ही जूही चावला के साथ फिल्में की हैं, लेकिन बड़े पर्दे पर कभी भी सलमान खान और जूही की जोड़ी नजर नहीं आई। फिर भी सलमान खान, जूही पर फिदा हो गए थे। एक वक्त ऐसा था जब सलमान, जूही चावला से शादी करना चाहते थे। सलमान ने इसके लिए जूही के पिता से उनका हाथ भी मांग लिया था। हालांकि, जूही और उनके पिता ने सलमान का प्रपोजल मानने से इनकार कर दिया था। इस बात का खुलासा सलमान ने खुद अपने एक पुराने इंटरव्यू में किया था। सलमान जूही के बारे में बात करते हुए कहते हैं- 'वो बहुत स्वीट हैं। मैंने उनके पिता से शादी के बारे में बात की थी।' इंटरव्यू ले रहे होस्ट ने पूछा कि जूही के पिता ने क्या कहा? तो सलमान कहते हैं कि 'नहीं'। होस्ट ने इसकी वजह पूछी तो सलमान ने कहा, 'उन्होंने साफ मना कर दिया। पता नहीं उन्हें क्या चाहिए था, शायद मैं उनके बिल में फिट नहीं बैठता था।' सलमान आज भी मारते हैं तानाः-जूही ने सलमान की इस बात पर बाद में रिएक्शन भी दिया था। जूही ने न्यूज 18 को दिए इंटरव्यू में कहा था कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की तब सलमान खान बड़े स्टार नहीं थे। जूही के मुताबिक, वो करियर के शुरुआती समय में सलमान खान और आमिर खान को उतने अच्छे से नहीं जानती थीं। जूही ने कहा, 'सलमान आज भी मुझे साथ में फिल्म न करने की वजह से ताना मारते हैं। वो जब भी मिलते तो यही कहते हैं कि आपने मेरे साथ कोई भी फिल्म नहीं की। हमने शायद ही किसी फिल्म में साथ काम किया हो, लेकिन हमने एक साथ कई स्टेज शोज किए हैं।' हालांकि फिल्म दीवाना मस्ताना में सलमान का कैमियो रोल था। जूही चावला की जिंदगी से जुड़े जानते हैं कुछ और किस्से-भारत की अभिनेत्रियों में सबसे अमीर हैं जूही हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक भारत की टॉप 6 सबसे अमीर सेल्फ-मेड महिलाओं में शामिल हैं। जूही की नेटवर्थ करीब 7,790 करोड़ रुपए है। जूही और उनके पति जय मेहता के पास तमाम बिजनेस इन्वेस्टमेंट और आईपीएल टीम केकेआर की बड़ी हिस्सेदारी है। शाहरुख के साथ फिल्में भी कर चुकी हैं प्रोड्यूस जूही चावला ने एक्टिंग के अलावा शाहरुख खान और डायरेक्टर अजीज मिर्जा के साथ मिलकर 'ड्रीम्ज अनलिमिटेड' प्रोडक्शन हाउस की स्थापना की थी। इसी बैनर तले 'फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी', 'अशोका' और 'चलते चलते' जैसी फिल्मों का निर्माण जूही चावला कर चुकी हैं। करियर के पीक पर मां का निधन हो गया एक तरफ जूही करियर के ऊंचे पायदान पर खड़ी थीं, तो दूसरी तरफ उनकी पर्सनल लाइफ उतार-चढ़ाव से भरी रही। साल 1998 में जब जूही फिल्म 'डुप्लीकेट' की शूटिंग में बिजी थीं, तब उसी समय एक दुर्घटना में उनकी मां का निधन हो गया था। इसके बाद उनके पिता का भी लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। साल 2010 में उनके भाई बॉबी स्क्रोक पड़ने के बाद कोमा में चले गए थे और 2014 में 9 मार्च को उनका भी निधन हो गया। जूही ने अपने परिवार के लगभग सभी करीबियों को खो दिया था, लेकिन हर मुश्किल में वो मजबूती से खड़ी रहीं।

ट्रेन के नीचे कट सकती थी गर्दन फिल्म 'अर्जुन पंडित' की शूटिंग के दौरान जूही चावला एक बड़ी दुर्घटना से बाल-बाल बची थीं। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में किया था।

जूही ने बताया था- 'फिल्म के क्लाइमैक्स सीन की शूटिंग रेलवे यार्ड में हो रही थी, जहां मैं और सनी देओल ट्रेंच (गड्ढे) के नीचे छुपे होते हैं। सीन की शूटिंग जारी थी, तभी ट्रेन अचानक से चल देती है। मुझे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि उस ट्रेंच के ऊपर से ट्रेन जा रही थी। अगर मैं उस वक्त थोड़ी सी चूक करती या सिर उठा लेती तो मेरी गर्दन कट जाती। मगर मैं किस्मत से बच गई।

8 साल का बेटा इंटरनेट यूज करने लगा है,ऑनलाइन दुनिया सेफ नहीं, बच्चे को डिजिटल सेफ्टी के बारे में कब और कैसे सिखाएं

जयपुर। सवाल- मैं 36 साल का हूं और मेरा बेटा 8 साल का है। वह मोबाइल पर वीडियो देखता है और धीरे-धीरे डिजिटल दुनिया से परिचित हो रहा है। अभी वह इंटरनेट की दुनिया को मनोरंजन के साधन की तरह ही देखता है,



लेकिन उम्र बढ़ने के साथ उसका ऑनलाइन दायरा भी बढ़ेगा। मैं चाहता हूं कि वह तकनीक का सही इस्तेमाल करना सीखे, लेकिन ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर भी जागरूक रहे। उसे कैसे समझाऊं



कि इंटरनेट पर हर जानकारी सही नहीं होती, हर लिंक सुरक्षित नहीं होता और अनजान लोगों से बातचीत करना जोखिम भरा हो सकता है? बच्चों को डिजिटल सुरक्षा की समझ किस उम्र से देनी चाहिए और इसकी शुरुआत कैसे करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट-डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। आठ साल की उम्र में बच्चे नई चीजें जानने, सवाल पूछने और खुद फैसले लेना सीख रहे होते हैं। इस उम्र में उनकी सोच अभी इतनी मैच्योर नहीं होती कि वे ऑनलाइन दिखने वाली चीज में सही और गलत के बीच अंतर कर सकें। इसलिए आपकी चिंता स्वाभाविक है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चे में डिजिटल दुनिया की समझ विकसित करें, ताकि वह इसका सही इस्तेमाल कर सके। बच्चों को डिजिटल सेफ्टी सिखाना क्यों जरूरी? डिजिटल सेफ्टी सिखाने से बच्चे ऑनलाइन जोखिम पहचानना, अपनी निजी जानकारी सुरक्षित रखना और किसी परेशानी में बड़ों से मदद मांगना सीखते हैं। डिजिटल दुनिया बच्चों के लिए किन वजहों से खतरनाक हो सकती है, डिजिटल दुनिया बच्चों के लिए क्यों खतरनाक? गेमिंग की लत लग सकती है। बच्चा गलत कंटेंट देख सकता है।एडल्ट एक्सपोजर हो सकता है। गलत बात को सच मान सकता है। अजनबियों पर भरोसा कर सकता है। पर्सनल डिटेल्स बता सकता है। अनजान लिंक खोल सकता है। स्कैमर्स के जाल में फंस सकता है। ब्लैकमेल का शिकार हो सकता है। संभावित डेंजर जोनः-साइबर बुलिंग, आइडेंटिटी चोरी, फाइनेंशियल फ्रॉड,किंग फ्रॉड डेटा स्क्रीन की लत, नींद, पढ़ाई पर असर, मेंटल स्ट्रेस, डेटा मिसयूज। डिजिटल सेफ्टी सिखाने की सही उम्र। हर उम्र में बच्चे की समझने और चीजों को परखने की क्षमता अलग होती है। इसलिए उसे डिजिटल सुरक्षा के नियम भी उम्र और मानसिक विकास के अनुसार समझाने चाहिए। 8 साल की उम्र में बच्चा सही-गलत के बीच अंतर समझना सीख रहा होता है, लेकिन उसकी निर्णय लेने और जोखिम पहचानने की क्षमता अभी पूरी तरह विकसित नहीं होती। ऐसे में उसे सिर्फ नियम बताना काफी नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के उदाहरणों से समझाना जरूरी है, जैसेकि- 'बेटा, कोई फ्री गेम या इनाम का लिंक भेजे, तो उस पर क्लिक मत करना।' 'अपना नाम, स्कूल, पता या फोटो किसी अनजान व्यक्ति को कभी मत भेजना।' 'कुछ ऐसा दिखे, जिससे डर लगे या असहज महसूस हो, तो तुरंत हमें बताना।' बच्चों को डिजिटल सेफ्टी कैसे सिखाएं? छोटी उम्र से शुरुआत करें। उम्र के हिसाब से समझाएं। आसान उदाहरणों से समझाएं। इंटरनेट यूज के नियम बनाएं। सवाल पूछने के लिए प्रेरित करें। सही-गलत की पहचान बताएं। बच्चे के सवालों के जवाब दें। गलती पर डांटें नहीं, समझाएं। डेटा की अहमियत बताएं। मुश्किल में मदद मांगना सिखाएं। पेरेंट्स इन बातों का रखें ध्यानः-ऑनलाइन गेम, वीडियो और वेबसाइट इस्तेमाल करते समय बच्चों को ऐसे मैसेज मिल सकते हैं, जिनमें फ्री गिफ्ट, इनाम, नए गेम या अतिरिक्त पॉइंट्स देने का झांसा दिया जा सकता है। इसके लिए बच्चों को कुछ बातें बताएं- बच्चों को सिखाएं डिजिटल सेफ्टी के 9 रूल्स- कोई लिंक नहीं खोलना है।कोई एप नहीं डाउनलोड करना है। ओटीपी किसी को नहीं बताना है। किसी ऑफर को सच नहीं मानना है। पर्सनल डिटेल्स नहीं बतानी हैं। अनजान लोगों से बात नहीं करनी है। हर बात पर भरोसा नहीं करना है। कोई ब्लैकमेल करे तो बताना है। कोई परेशान करे तो पेरेंट्स से कहना है। खेल-खेल में समझाएं सेफ्टी रूल्स। बच्चे खेल, बातचीत और खुद अनुभव करके चीजें बेहतर तरीके से सीखते हैं। इसलिए डिजिटल सेफ्टी को भी रोजमर्रा के खेल का हिस्सा बनाएं।उदाहरण के लिए- बच्चे के साथ एक काल्पनिक गेम खेलें। उससे पूछें कि अगर किसी अनजान व्यक्ति का मैसेज आए, कोई ऑनलाइन दोस्त निजी जानकारी मांगे या वेबसाइट पासवर्ड डालने को कहे, तो वह क्या करेगा? उसके जवाब पर चर्चा करें और सही विकल्प समझाएं। इस तरह बार-बार अभ्यास करने से बच्चे में सही-गलत पहचानने, खतरे को



समझने और मुश्किल स्थिति में सही फैसला लेने का आत्मविश्वास विकसित होता है। बच्चे को डिजिटल सेफ्टी सिखाने के लिए डर या सजा की बजाय भरोसे का माहौल बनाएं। जब उसे यकीन होगा कि गलती होने पर डांट नहीं पड़ेगी, बल्कि पेरेंट्स उसकी बात सुनेंगे, तो वह परेशानी छिपाने की बजाय मदद मांगेगा। बच्चों के लिए डिजिटल सेफ्टी टूल्सः-कुछ डिजिटल टूल्स की मदद से ऑनलाइन एक्टिविटीज को सुरक्षित बनाया जा सकता है। ये टूल्स बच्चों को अनुचित कंटेंट और ऑनलाइन जोखिमों से बचाने में मदद करते हैं। 1. पेरेंटल कंट्रोल-इसकी मदद से पेरेंट्स बच्चे के मोबाइल इस्तेमाल करने के समय, एप्स और ऑनलाइन एक्टिविटीज को कंट्रोल व मॉनिटर कर सकते हैं। इसमें स्क्रीन टाइम तय करने, एप्स ब्लॉक करने और नए एप डाउनलोड करने की परमिशन देने जैसे विकल्प मिलते हैं। 2. सेफ सर्च-यह इंटरनेट पर सर्च करते समय अश्लील या उम्र के हिसाब से अनुचित कंटेंट वाले रिजल्ट्स को फिल्टर करने में मदद करता है। पेरेंट्स गूगल सर्च में 'सेफ सर्च' का विकल्प ऑन कर सकते हैं। 3. यूट्यूब किड्स- यह बच्चों के लिए बनाया गया यूट्यूब वीडियो एप है। इसमें पेरेंट्स बच्चे की उम्र के अनुसार कंटेंट सेटिंग चुन सकते हैं। साथ ही वीडियो ब्लॉक कर सकते हैं और सर्च की सुविधा बंद कर सकते हैं। आठ साल के बच्चे के लिए 5-8 साल वाला विकल्प चुन सकते हैं। फिर भी वीडियो पर नजर रखना जरूरी है, क्योंकि कोई भी फिल्टर पूरी तरह सटीक नहीं होता। 4. स्क्रीन टाइम सेटिंग-इसकी मदद से मोबाइल या किसी खास एप के इस्तेमाल की समय-सीमा तय की जा सकती है। पढ़ाई, खाने और सोने के समय डिवाइस के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए भी शेड्यूल बनाया जा सकता है। अगर बच्चा कोई गलती कर दे तो क्या करें? मान लीजिए बच्चा किसी अनजान लिंक पर क्लिक कर देता है या किसी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी शेयर कर देता है।

ऐसी स्थिति में उसे डांटना, शर्मिंदा करना या तुरंत मोबाइल छीन लेना सही नहीं है। ऐसे में ये कदम उठाएं- उसे बताएं कि गलती बताने पर आप उसका साथ देंगे, सजा नहीं देंगे। बिना बीच में टोके पूछें कि उसने क्या देखा, किससे बात की और क्या जानकारी शेयर की। संदिग्ध व्यक्ति को ब्लॉक करें, अकाउंट के पासवर्ड बदलें और संबंधित प्लेटफॉर्म पर रिपोर्ट करें।

बच्चे को समझाएं कि आगे ऐसी स्थिति आने पर उसे क्या करना चाहिए। अगर बच्चे ने निजी फोटो शेयर की है, कोई उसे धमका रहा है या ब्लैकमेल कर रहा है, तो उसे दोष न दें। सभी सबूत सुरक्षित रखें और जरूरत पड़ने पर साइबर क्राइम पोर्टल या पुलिस की मदद लें। अंतिम बात-डिजिटल सेफ्टी एक बार सिखाकर पूरी होने वाली प्रक्रिया नहीं है।बच्चे की उम्र और ऑनलाइन एक्टिविटीज के साथ सुरक्षा से जुड़े सबक भी बदलने चाहिए। नियमित बातचीत, सही मार्गदर्शन और आपसी भरोसा ही बच्चे को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित और जिम्मेदार बना सकता है।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.)
से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।